राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 63 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शुक्रवार ,03 सितम्बर 2021 , मूल्य रु. 1.50

राफेल फ्रांस में तैयार हो गया, भारत में उतरा लेकिन राहुल अभी तक 'टेक ऑफ' नहीं कर पाए: राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात भाजपा कार्यसमिति की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अपनी ऊर्जा और समय एक सीमा तक ही राहुल गांधी पर खर्च करना चाहिए। उन्होंने कहा 'जब कोई हाथ धोकर विरोधियों के पीछे पड़ जाता है तो उसका परिणाम 'राहुल गांधी' होता है, कांग्रेस और राहुल गांधी ने राफेल मुद्दा अनावश्यक उठया रिजल्ट क्या था? राफेल फ्रांस में तैयार हो गया। भारत में उतरा लेकिन राहुल जी अभी तक 'टेक ऑफ' नहीं कर पाए हैं। एक 'राग टैग गठबंधन' बनाया जा रहा है।' उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध करने में कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन विरोध के नाम पर विरोध करने की कोशिश की जा रही है, संसद के पूरे सत्र को ठीक से काम नहीं करने दिया गया। रक्षामंत्री ने कहा 'पूज्य बापू अक्सर कहा करते थे कि देश में नीतियां बनाते समय हमें हमेशा इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि समाज की आखिरी सीढ़ी पर खड़े व्यक्ति को नीतियों का क्या फायदा होगा। कांग्रेस पार्टी ने गांधी के नाम का खूब इस्तेमाल किया। गांधी का नाम तक रखा, लेकिन उन्होंने गांधीजी का काम छोड़ दिया। समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान भाजपा और उसके पहले जनसंघ के समय से ही हमारा मूल मंत्र रहा है। एकात्म मानववाद और अंत्योदय का विचार हमें पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने हमारी राजनीतिक परंपरा और संस्कृति के रूप में दिया है।' उन्होंने कहा कि यह गरीबों के प्रति हमारी पार्टी की संवेदनशीलता का उदाहरण है कि जब पूरे देश में कोरोना का संकट था, तब प्रधानमंत्री मोदी जी ने स्वास्थ्य देखभाल के साथ-साथ गरीबों के लिए ह्याखाद्य सुरक्षाह्न की भी चिंता की। कांग्रेस की सरकारें इस देश में लोगों का भला करने के बजाय खुद का भला करने में ज्यादा भरोसा करती थीं। हर जगह भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया गया और यहां तक कि संस्थागत भी कर दिया गया।

राजनाथ सिंह ने कहा 'गुजरात में भाजपा की सफलता इतने लंबे समय से कायम है क्योंकि पार्टी ने यहां अपनी सत्ता से लोगों की जिंदगी बदल दी है। खासकर भाजपा द्वारा यहां ह्यपरफॉरमेंस की राजनीति' को जो अर्थ दिया गया है, उसने न केवल राज्य में बल्कि पूरे देश में राजनीतिक तरीकों को बदल दिया है। इस बदलाव में 'लोक लाडिला' नरेंद्र भाई का बहुत बड़ा योगदान है। पहले 13 साल यहां के मुख्यमंत्री और अब सात साल देश के प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने परफॉरमेंस की राजनीति और 'लास्ट माइल डिलीवरी' की दिशा में काम किया है।'

नमाज के बाद शपथ लेगी तालिबानी सरकार

- अफगानिस्तान में नई सरकार बनाने की कवायद हुई तेज
- 15 अगस्त को तालिबान ने काबुल पर जमा लिया था कब्जा

श्रीनगर, एजेंसी। अफगानिस्तान पर कब्जे के करीब 2 हफ्ते के बाद शुक्रवार को तालिबान देश में सरकार बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। सूत्रों ने बताया कि शक्रवार को जुमे की नमाज के बाद तालिबान अफगानिस्तान में सरकार बनाएगा। 15 अगस्त को राजधानी काबुल पर कब्जा करने के साथ ही तालिबान ने पूरे अफगानिस्तान को अपने नियंत्रण में ले लिया। इस्लामिक आतंकवादी समूह ने अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के बाद अपनी जीत को लेकर जमकर जश्न मनाया, साथ ही दशकों तक चले युद्ध के बाद देश में शांति और सुरक्षा लाने की अपनी प्रतिज्ञा भी दोहराई।

तालिबान, जिसने इस हफ्ते अमेरिकी सेना की वापसी से पहले देश पर नियंत्रण कर लिया था, अब एक ऐसे राष्ट्र पर शासन करने की उम्मीद कर रहा है जो अंतरराष्ट्रीय सहायता पर बहुत अधिक निर्भर है क्योंकि यहां के आर्थिक हालात बेहद सख्ता है।

सूखे और संघर्ष की तबाही से जूझता देश

अंतरराष्ट्रीय दाताओं और निवेशकों की नजर में नई सरकार की वैधता अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण होगी क्योंकि देश सूखे और एक संघर्ष की तबाही से जूझ रहा है जिसने करीब 2,40,000 अफगान लोगों की जान ले ली। तालिबान ने किसी भी विदेशी या अफगानों के लिए देश से सुरक्षित मार्ग की अनुमति देने का वादा किया है, जो बड़े पैमाने पर चले एयरलिफ्ट के बावजूद नहीं निकल सके हैं, यह अभियान सोमवार को अंतिम अमेरिकी सैनिकों की वापसी के साथ खत्म हो गया। हालांकि काबुल एयरपोर्ट अभी भी बंद होने के कारण, बड़ी संख्या में लोग मैदानी रास्ते से भागकर पड़ोसी देशों में जाने की कोशिश कर रहे हैं।

खाड़ी राज्य तालिबान के साथ

कतर के विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल-थानी ने कहा कि खाड़ी राज्य तालिबान के साथ बात कर रहे हैं और काबुल एयरपोर्ट पर परिचालन फिर से शुरू करने के लिए तकनीकी सहायता के बारे में तुर्की के साथ काम कर रहा है, जिससे मानवीय सहायता और संभवतः अधिक निकासी की सुविधा हो सकेगी। दोहा में कतर के मंत्री के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए ब्रिटिश विदेश सचिव डॉमिनिक रैब ने कहा कि वह क्षेत्रीय देशों के साथ बात करेंगे कि अफगानिस्तान छोड़ने के इच्छुक लोगों के लिए तीसरे देशों के माध्यम से सुरक्षित मार्ग कैसे तैयार किया जाए।

हिब्तुल्लाह अखुंदजादा सुप्रीम लीडर होगा

ब्रिटिश विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा, काबुल एयरपोर्ट को चालू करने और विदेशी नागरिकों और अफगानों की सुरक्षित निकासी हमारे एजेंडे में सबसे ऊपर है। तालिबान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पिछले महीने रॉयटर्स को बताया कि तालिबान के सर्वोच्च नेता, हिब्तुल्लाह अखुंदजादा सुप्रीम लीडर होगा और उसके अंतर्गत राष्ट्रपति काम करेगा।

खबर एक नजर

राष्ट्रपति 6 सितंबर को गोवा में नौसेना विमानन को ध्वज प्रदान करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द 6 सितंबर, 2021 को गोवा में आईएनएस हंस पर आयोजित एक रस्मी परेड में नौसेना विमानन को 'राष्ट्रपति का ध्वज' प्रदान करेंगे। इस अवसर पर डाक विभाग 'स्पेशल डे कवर' भी जारी करेगा। समारोह में गोवा के राज्यपाल, रक्षामंत्री, गोवा के मुख्यमंत्री, नौसेना प्रमुख तथा अन्य सैन्य और नागरिक विशिष्टजन के उपस्थित रहने की आशा है। राष्ट्र की अद्वितीय सेवा के लिये किसी भी सैन्य इकाई को प्रदान किया जाने वाला 'राष्ट्रपति का ध्वज' सर्वोच्च सम्मान होता है। भारतीय सशस्त्र बलों में भारतीय नौसेना को सबसे पहले यह सम्मान मिला था, जब भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने 27 मई, 1951 को उसे ध्वज प्रदान किया था। उसके बाद 'राष्ट्रपति का ध्वज' नौसेना के दक्षिणी कमान, पूर्वी कमान, पश्चिमी कमान, पूर्वी बेड़े, पश्चिमी बेड़े, पनडुब्बी इकाई, आईएनएस शिवाजी और भारतीय नौसेना अकादमी को भी प्राप्त हुआ।

सभी बच्चों को वैक्सीन देने में लगेंगे 9 महीने: एआइआइएमएस चीफ गुलेरिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में फिर से ऑफलाइन क्लासों के लिए स्कूलों को खोल दिया गया। देश के कई राज्यों में पहले से ही बड़ी क्लासों के लिए स्कूल खोले जा चुके हैं। हालांकि प्रशासन के इस फैसले पर विशेषज्ञ, स्टूडेन्ट, टीचरों और अभिभावकों में बहस शुरू हो गई है। कुछ लोग कह रहे हैं कि अभी बच्चों के लिए कोरोना टीका नहीं आया है तो शायद स्कूलों को खोलना सही फैसला नहीं है। वहीं एम्स चीक डॉ रणदीप गुलेरिया ने कहा है कि भारत में सब बच्चों को टीका लगाने में नौ महीने का समय लगेगा और तब तक स्कूलों को बंद नहीं रखा जाना चाहिए। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के निदेशक डॉ रणदीप गुलेरिया ने बुधवार को एक विशेष इंटरव्यू में इंडिया टुडे को बताया कि भारत में सभी बच्चों का टीकाकरण करने में नौ महीने तक का समय लगेगा। उन्होंने कहा कि अगले साल के मध्य तक स्कूलों को बंद नहीं रखा जा सकता है। इसके अलावा, डॉ गुलेरिया ने कहा कि वह स्कूलों को फिर से खोलने के समर्थन में हैं क्योंकि बच्चों के लिए शारीरिक संपर्क महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में सभी स्टाफ सदस्यों को टीका लगाया जाना चाहिए और लंच ब्रेक के दौरान और जब छात्र स्कूल परिसर में प्रवेश कर रहे हों या बाहर निकल रहे हों, तो भीड़ से बचने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। डॉ गुलेरिया ने कहा कि यदि स्कूलों में ज्यादा मामले दर्ज किए जाते हैं, तो फिर उन्हें बंद कर दिया जाना चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या राज्यों को छोटे बच्चों के लिए भी स्कूल खोलने चाहिए, डॉ गुलेरिया ने कहा कि उन्हें ऐसा करना चाहिए क्योंकि छोटे बच्चे कोविड -19 की चपेट में नहीं आते हैं। बच्चों के लिए टीकों पर, एम्स के निदेशक डॉ रणदीप गुलेरिया ने कहा कि भारत बायोटेक सितंबर के अंत तक बच्चों के लिए कोवैक्सिन के उपयोग के लिए नियामक अनुमोदन के लिए आवेदन करेगा।

महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख की मुश्किलें बढ़ी

सीबीआई ने उनके वकील समेत सब इंस्पेक्टर को लिया रिमांड पर

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता अनिल देशमुख की मुश्किलें और बढ़ सकती है. सीबीआई ने अनिल देशमुख जांच के दौरान मामले में लीक दस्तावेजों के मामले में अनिल देशमुख के वकील और अपने विभाग के सब इंस्पेक्टर को पूछताछ के लिए 2 दिन की सीबीआई रिमांड पर लिया है. इन दोनों को सीबीआई ने बुधवार की रात गिरफ्तार किया था. माना जा रहा है कि अब सीबीआई अनिल देशमुख के खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज कर सकती है. सीबीआई ने इस मामले में जो आपराधिक धाराएं लगाई हैं यदि वे साबित हो जाए तो आरोपियों को आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है।

सीबीआई के मुताबिक पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख मामले में चल रही आरंभिक जांच के अहम दस्तावेज सीबीआई महकमे से ही लीक हो गए थे. इस बारे में सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा के एसपी किरण द्वारा सीबीआई को एक शिकायत दी गई थी. जिसमें कहा गया था कि आनंद दिलीप डागा एडवोकेट निवासी सिविल लाइन टेंपल रोड नागपुर और सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा डिवीजन पांच में तैनात सब इंस्पेक्टर अभिषेक तिवारी के खिलाफ विभिन्न आपराधिक धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया जाए. सीबीआई के एसपी द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर सीबीआई ने आपराधिक षड्यंत्र.. सरकारी अधिकारी द्वारा आपराधिक न्यास भंग यानी (क्रिमिनल ब्रीच आफ ट्रस्ट बाय द पब्लिक सर्वेंट) और भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा 7 और 8 के तहत मामला दर्ज किया यह मामला 31 अगस्त 2021 को दर्ज किया गया. सीबीआई के एसपी द्वारा दी गई शिकायत में यह आरोप लगाया गया था कि सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा में तैनात सब इंस्पेक्टर अभिषेक तिवारी ने आनंद दिलीप डागा एडवोकेट के साथ आपराधिक षड्यंत्र रचा और अनिल देशमुख मामले की जांच से जुड़े महत्वपूर्ण गोपनीय और सेंसिटिव दस्तावेज अधिवक्ता आनंद दिलीप को अवैध तरीके से दिए. जिससे सीबीआई में अनिल देशमुख के खिलाफ हो रही जांच में बाधा पहुंचाई जा सके. यह भी आरोप है कि इन दस्तावेजों के बदले सीबीआई के सब इंस्पेक्टर को अनेक प्रकार से रिश्वत भी दी गई. शिकायत मिलने के बाद इस मामले में सीबीआई ने आरोपी सब इंस्पेक्टर अभिषेक तिवारी को बुधवार की शाम हिरासत में लेकर पूछताछ की और उधर मुंबई में अनिल देशमुख के वकील आनंद दिलीप डागा को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई. हिरासत में की गई पूछताछ के दौरान इन लोगों द्वारा जांच में सहयोग न किए जाने पर दोनों को बुधवार की देर रात गिरफ्तार कर लिया गया।

नीतीश कुमार ने राजनीति विज्ञान के सिलेबस से जेपी-लोहिया को हटाने पर नाराजगी जताई

पटना, एजेंसी। बिहार के छपरा स्थित जेपी विश्वविद्यालय के एमए राजनीति विज्ञान के सिलेबस से जेपी-लोहिया के विचार की जगह पंडित दीनदयाल उपाध्याय, सुभाष चंद्र बोस और ज्योतिबा फुले का नाम शामिल होने पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने घोर आश्चर्य और क्षोभ व्यक्त किया तथा इस गलती को सुधरने का निर्देश दिया। इस बात की पुष्टि करते हुए राज्य के शिक्षा मंत्री विजय कुमार चौधरी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जैसे ही अखबार में यह खबर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पढ़ी, उन्हें तुरंत फोन कर इसके निराकरण का निर्देश दिया था। इसके बाद उन्होंने राज्यपाल से बात की और इस बात की सहमति बनी है कि जल्द इसका निराकरण किया जायेगा। चौधरी ने कहा कि अब शिक्षा विभाग को यह भी निर्देशित किया गया है कि राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों से भी पाठ्यक्रमों में पिछले दिनों में किए गए बदलाव की सूचना एकत्रित की जाएगी और अगर किसी अन्य विश्वविद्यालय में भी इस तरह की कोई अनुचित एवं अनियमित बात सामने आती है तो उसमें भी आवश्यक सुधार की व्यवस्था की जाएगी। चौधरी का कहना था कि बिहार की जन भावना एवं सरकार की प्राथमिकताओं के विरुद्ध विश्वविद्यालयों के विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम में किए गए बदलाव की इजाजत नहीं दी जा सकती है।

मंत्री चौधरी के इस रुख से साफ है कि नीतीश राजभवन में सिलेबस सम्बंधित निर्णय से ना केवल खफा हैं बल्कि अब उन्होंने ऐसे किसी बदलाव को ना होने देने का मन बना लिया है। क्योंकि चौधरी ने स्पष्ट किया कि सरकार और विभाग की नजर में यह अनुचित तो है ही साथ ही इसमें सामान्य परंपरा का भी पालन नहीं किया गया। उनके अनुसार यह स्थापित मान्यता है कि बिहार के विश्वविद्यालयों से संबंधित कोई भी नियम, सरकार के बिहार राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद की सहमति के बाद ही लागू किया जाता है, जिसका जेपी विश्वविद्यालय के संबंध में पालन नहीं किया गया है। इससे पूर्व जेपी विश्वविद्यालय के कुलपति ने सफाई दी थी कि पाठ्यक्रम में जो भी परिवर्तन हुआ वो कुलाधिपति के निदेर्शों के अनुसर किया गया।

दीवाली, ईद और गणेश चतुर्थी जैसे त्योहारों को घर पर भीड़ इकट्ठा किए बिना मनाएं - स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना की की दूसरी लहर जारी रहने चेतावनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने सुझाव दिया है कि दीवाली, ईद और गणेश चतुर्थी जैसे त्योहारों को घर पर भीड़ इकट्ठा किए बिना मनाना चाहिए। नीति आयोगे के सदस्य और कोविड-19 टास्क फोर्स के प्रमुख डॉ। वीके पॉल ने कहा, 'गणेश चतुर्थी, दिवाली और ईद आने वाले हैं। इस साल भी, पिछले साल की तरह उन्हें प्रतिबंधात्मक तरीके से मनाने की आवश्यकता होगी और हम सभी से घर पर रहने की अपील करते हैं।' कोरोना पर स्वास्थ्य मंत्रालय की प्रेस ब्रीफिंग में बोलते हुए उन्होंने कहा, 'पिछले साल की तरह, त्योहारों को कम तरीके से मनाया जाना चाहिए। किसी भी सार्वजनिक स्थान पर मास्क पहनना अनिवार्य है।'

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि 'सामूहिक समारोहों को हतोत्साहित करना होगा, यदि किसी सभा में शामिल होना जरूरी है तो पूर्ण टीकाकरण एक पूर्व शर्त होनी चाहिए। लोग घर पर त्योहार मनाएं, कोविड अनुकूल व्यवहार का पालन करें और टीकाकरण करवाएं।'

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ बलराम भार्गव ने कहा, 'हम अभी भी कोरोना की दूसरी लहर में हैं और इसलिए देश में सभी से अपील करते हैं कि अपने क्षेत्र में सभी कोविड प्रतिबंधों को जारी रखें।'

हर महीने बढ़ रहे है रसोई गैस के दाम, पर गन्ने का दाम 3 साल से नहीं बढ़े: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। ताजा रसोई गैस दामों की वृद्धि को लेकर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार रसोई गैस की कीमत हर महीने बढ़ा रही है, लेकिन पिछले तीन साल से किसानों के गन्ने दाम वही है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट कर कहा, ह्यभाजपा सरकार रसोई गैस की कीमत हर महीने बढ़ा रही है। पेट्रोल-डीजल के दाम तो 3-4 महीने में 60-70 बार बढ़ जाते हैं, लेकिन किसान के गन्ने का रेट 3 साल से नहीं बढ़ा? उन्होंने यह ट्वीट हैथटैग मंहगे दिन, गन्ने के दाम बढ़ाओ के साथ किया।

प्रियंका गांधी ने पिछले हफ्ते भी रसोई गैस और पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों को लेकर सरकार पर तंज कसा था। उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री जी, आपके राज में दो ही तरह का विकास हो रहा है। एक तरफ मंहगाई लगातार बढ़ती जा रही है, तो वहीं दूसरी जगह किसानों को कोई बी फायदा नहीं मिल रहा है। इससे पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने एक ट्वीट में कहा, 'प्रधानमंत्री जी, आपके राज में दो ही तरह का 'विकास' हो रहा हैः एक तरफ आपके खरबपति मित्रों की आय बढ़ती जा रही है। दूसरी तरफ आमजनों के लिए आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ते जा रहे हैं।' उन्होंने कहा, ह्यअगर यही 'विकास' है तो इस 'विकास' को अवकाश (छुट्टी) पर भेजने का वक्त आ गया है।'

मालूम हो कि यूपी विधानसभा को लेकर इन-दिनों सियासी बयानबाजी या फिर यूं कहे एक दूसरे के ऊपर आरोप-प्रत्यारोप लगातार जारी है। विपक्ष लगातार सरकार की कमियों को गिनाने में लगा हुआ है।

नई शिक्षा नीति भारत को ज्ञान के क्षेत्र में वैश्विक महाशक्ति के रूप में बदल देगी: शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) के 61वें स्थापना दिवस समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए केन्द्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 भारत को ज्ञान के क्षेत्र में वैश्विक महाशक्ति के रूप में बदल देगी। इस अवसर पर शिक्षा राज्यमंत्री सुभाष सरकार, शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. राज कुमार रंजन सिंहऔर शिक्षा मंत्रालय एवं एनसीईआरटी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री प्रधान ने इस अवसर पर एनसीईआरटी को बधाई दी और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने की दिशा में एनसीईआरटी द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने महामारी के दौरान स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा से लेकर पढ़ने-पढ़ाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए वैकल्पिक शैक्षणिक कैलेंडर तैयार करने तक कीएनसीईआरटी की यात्रा में आने वाले मील के पत्थरों को रेखांकित करते हुए कहा कि एनसीईआरटी को नई शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 में की गई परिकल्पना के अनुरूप शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर परिवर्तन लाने के लिए कमर कस लेनी चाहिए। सुभाष सरकार ने भी एनसीईआरटी को बधाई दी। उन्होंने एनसीईआरटीके तीन हंसों के लोगो और

उसके आदर्श वाक्य,जिसका अर्थ है 'सीखने के माध्यम से शाश्वत जीवन', के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अनुसंधान, विकास और प्रशिक्षण के संसाधन केंद्र के रूप में एनसीईआरटी की शानदार यादगार सेवा की सराहना करते हुए कहा कि निष्ठा पहल के तहत 42 लाख शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत और कौशल भारत के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए व्यावसायिक और शैक्षणिक शिक्षा के समेकन की भूमिका पर बल दिया। उन्होंने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री ने कहा था कि नई शिक्षा नीति (एनईपी)एक नए भारत के निर्माण में योगदान देगी। इस संदर्भ में एनसीईआरटी की भूमिका अपरिहार्य है।

डॉ.राजकुमार रंजन सिंह ने कहा कि यह स्थापना दिवस अतीत को यादकर खुशहोने, आत्मनिरीक्षण करने और भविष्य की योजना बनाने का अवसर है। उन्होंने मनोरंजक दंतकथाओं के माध्यम सेएनसीईआरटीद्वारा सामग्री की नियमित समीक्षा करने और परिस्थितियों को अपनाने/उसके अनुकूल ढलनेसंबंधी उसकेलचीलेपन की सराहना की, जोकि सीखने की प्रक्रिया के क्रम में होने वाली खुशियोंको और बढ़ाते हैं। अपने स्कूली दिनों के दौरान सामूहिक रूप से स्कूल परिसर की सफाई करने से जुड़े प्रसंगों को याद करते हुए, उन्होंने आशा व्यक्त की कि नए पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियोंमें स्कूलों के प्रति अपनेपन की भावना पैदा होगी। यह स्वस्थ भारत कार्यक्रम की अवधारणा को भी मजबूत करेगा।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड को सक्रिय रूप से युवा स्टार्ट-अप तक पहुंचना चाहिए: जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास (डोनर), डॉ. जितेंद्र सिंह ने डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत को प्राप्त करने की कुंजी है। उन्होंने कहा कि बजाय इसके कि युवा स्टार्ट-अप सहायता मांगने के लिए उनके पास आएं टीडीबी को उनके पास सक्रिय रूप से पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) को सफल उत्पाद विकास के लिए स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र की खोज और उसका पोषण करना चाहिए। डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि देश में यद्यपि प्रतिभाशाली मानव संसाधनों की कोई कमी नहीं है, पर मुख्य चुनौती इसे नए प्रतिमान विकसित करने के लिए मुख्य धारा में लाना है।

उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता का विश्वास अगली पीढ़ी तक जाएगा तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ विद्वानों को आकर्षित करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा, 'हमें भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष के अवसर को केवल एक समारोह तक सीमित नहीं रखना चाहिए। हमें नए संकल्पों की नींव रखनी चाहिए और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ना चाहिए। यहीं से शुरू होकर, अगले 25 वर्षों की पूरी यात्रा, जब हम भारतीय स्वतंत्रता की शताब्दी मनाते हैं, एक नए भारत के निर्माण के अमृत काल का प्रतीक है' डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि जीवन के सभी क्षेत्रों में वैज्ञानिक और तकनीकी नवाचार से ही अगले 25 वर्षों के लिए कार्य योजना (रोडमैप) निर्धारित की जाएगी।

इमरान सरकार तालिबान की हितैषी, हर संभव मदद की: शेख रशीद, पाक गृहमंत्री

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबानी राज के पीछे पाकिस्तान के तार अब खुद ब खुद खुलने लगे हैं। अफगान की सत्ता में तालिबान को लाने वाले पाकिस्तान ने खुलकर मान लिया है कि हम तालिबान के हितैषी हैं। पाकिस्तान के गृहमंत्री शेख रशीद ने एक टीवी चैनल पर कहा कि हमने अपने देश में तालिबानी उग्रवादियों को शरण दी और शिक्षा दी। उन्होंने यह भी कहा कि इमरान खान सरकार ने तालिबानी नेताओं की हर तरह से मदद की जो अब 20 साल बाद सत्ता में आ गए हैं। शेख रशीद ने पाकिस्तान के एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा, 'हम तालिबान के संरक्षक हैं। हमने लंबे समय तक उनका ध्यान रखा। उन्हें शरण, घर और शिक्षा पाकिस्तान में मिली है। हमने उनके लिए हर चीज किया।' पाकिस्तानी गृहमंत्री ने यह कबूलनामा ऐसे समय पर किया है जब दुनिया भर तालिबान राज वापस लाने में

मदद करने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की मांग उठ रही है। यही नहीं अब पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के चीफ और बड़ी संख्या में पाकिस्तानी अफसर अफगानिस्तान जा रहे हैं जहां वह तालिबानी सेना को फिर से संगठित करने में मदद करेंगे। यही नहीं पाकिस्तान अब अफगानिस्तान में नई सरकार के गठन में बड़ी भूमिका निभा रहा है। माना जा रहा है कि इस सरकार में पाकिस्तान के खास हक्कानी नेटवर्क को प्रमुखता से जगह मिल सकती है।

इस बीच पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने अफगानिस्तान से विदेशी सैनिकों की वापसी को एक गैरजिम्मेदाराना और अव्यवस्थित कदम करार दिया है। उन्होंने कहा कि यदि पश्चिमी देश तालिबान के साथ संवाद करने में विफल रहे तो वहां गृह युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है। पाकिस्तान के एक न्यूज चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक कुरैशी ने अफगानिस्तान में संभावित अराजकता और आतंकवाद के फिर से सिर उठाने के खतरे को लेकर आगाह किया। साथ ही कहा कि अफगानिस्तान में युद्ध समाप्त करने के बारे में पाकिस्तान की चिंताओं को दरकिनार किया गया और गैरजिम्मेदाराना तरीके से सैनिकों को वापस बुला लिया गया। इससे पहले अमेरिकी सैनिकों को लेकर आखिरी सी-17 मालवाहक विमान ने मंगलवार तड़के काबुल के हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी, जिसके साथ ही अफगानिस्तान में अमेरिका का 20 वर्ष लंबा सैन्य अभियान समाप्त हो गया। पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने कहा, 'अफगानिस्तान में अराजकता फैल सकती है और इससे उन संगठनों को जगह मिलेगी जिनसे हम सभी डरते हैं। हम नहीं चाहते कि अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन अफगानिस्तान में अपनी पकड़ को मजबूत करें।'

अलगाववादी नेता गिलानी के निधन पर इमरान खान ने किया विष बमन

पाकिस्तानी नागरिक बताते हुए झुकाया पाक का झंडा

इस्लामाबाद, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में अस्थिता फैलाने के लिए में पहचाने वाले अलगाववादी हुर्रियत नेता सैयद अली शाह गिलानी ने निधन पर भी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान जहरीले बयान देने से बाज नहीं आए। इमरान खान ने भारत पर निशाना साधा और गिलानी को 'पाकिस्तानी' बताते हुए देश के झंडे को आधा झुकाने का ऐलान किया। यही नहीं इमरान ने एक दिन के राष्ट्रीय शोक का भी ऐलान किया है। पाकिस्तान के पीएम ने ट्वीट करके कहा कि कश्मीरी नेता सैयद अली शाह गिलानी के निधन की खबर सुनकर बहुत दुखी हूं। गिलानी जीवनभर अपने लोगों और उनके आत्मनिर्णय के अधिकार के लिए लड़ते रहे। इमरान ने कहा कि भारत ने उन्हें कैद करके रखा और प्रताड़ति किया। इमरान ने कहा, 'हम पाकिस्तान में उनके संघर्ष को सलाम करते हैं और उनके शब्दों को याद करते हैं- हम पाकिस्तानी हैं और पाकिस्तान हमारा है। पाकिस्तान का झंडा आधा झुका रहेगा और हम एक दिन का आधिकारिक शोक मनाएंगे।'

गिलानी के निधन से पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा को भी झटका लगा है। जनरल बाजवा ने कहा कि गिलानी के निधन पर उन्हें दुख है। वह कश्मीर के स्वतंत्रता आंदोलन के अगुआ थे। बाजवा ने भारत पर भी आरोप लगाए। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने भी जहरीले बयान दिए। कुरैशी ने गिलानी को कश्मीरी आंदोलन का पथ प्रदर्शक बताया और कहा कि वह नजरबंदी के बाद भी अंतिम सांस तक संघर्ष करते रहे। भारत विरोधी बयानों के लिए मशहूर रहे गिलानी को पड़ोसी देश पाकिस्तान ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से भी नवाजा था। इससे पहले गिलानी का 92 साल की उम्र में श्रीनगर में बुधवार रात को निधन हो गया था। कश्मीर में गिलानी के प्रभाव का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उनकी एक आवाज पर कश्मीर बंद हो जाता था। हालांकि ऐसे भी मौके आए हैं जब कश्मीरी आवाम ने एक तरह से गिलानी का ही बॉयकॉट कर दिया था। सैयद अली शाह गिलानी काफी लंबे समय से बीमार चल रहे थे।

सैयद अली शाह गिलानी ने साल 2014 के चुनावों का बॉयकॉट किया था। उन्होंने अपने संदेश में कश्मीर की जनता को कहा था कि चुनावों में भाग ना ले जिसके बाद आतंकियों ने ऐसे कई नागरिकों की हत्या की जो चुनावों में भाग ले रहे थे।

खबर एक नजर

वरिष्ठ अमेरिकी जनरल बोले- तालिबान एक क्रूर समूह, उसके भविष्य के बारे में अभी भी संशय

वॉशिंगटन, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान राज को लेकर अमेरिका के एक वरिष्ठ जनरल ने कहा कि यह संगठन पहले से ही एक क्रूर समूह है और यह देखा जाना बाकी है कि क्या इस समूह में बदलाव आया है या नहीं। अमेरिका के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल मार्क मिले ने पेंटागन संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हम नहीं जानते कि तालिबान का भविष्य क्या है लेकिन मैं अपने निजी अनुभव से आपको बता सकता हूं कि यह पहले से ही एक क्रूर समूह रहा है और वे बदले हैं या नहीं, यह देखना अभी बाकी है।' उन्होंने तालिबान के साथ सहयोग के सवालों पर कहा, 'उनके साथ हमारी बातचीत चाहे हवाई क्षेत्र में रही या पिछले साल अथवा युद्ध में, आप मिशन का खतरा कम करने के लिए काम करते हैं न कि जो आप करना चाहते हो वह करने के लिए काम करते हो।' रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि अमेरिका 'बहुत कम मुद्दों' पर तालिबान के साथ काम कर रहा था और यह ज्यादा से ज्यादा लोगों को बाहर निकालने के लिए था।

अफगानिस्तान से लोगों को निकालने के अभियान की जानकारी देते हुए जनरल मिले ने कहा कि अमेरिका ने जमीन पर 5,000 से 6,000 के बीच सैन्य कर्मियों को तैनात किया था। उन्होंने कहा, 'अमेरिकी सेना के सी-17 और सी-130 विमानों ने 387 फेरे लगाए और हम 391 गैर सैन्य फेरे लगा पाए।' उन्होंने बताया, 'कुल 778 फेरों में 1,24,334 लोगों को सुरक्षित निकाला गया जिनमें तकरीबन 6,000 अमेरिकी नागरिक, तीसरे देशों के नागरिक और अफगान शामिल हैं। हम विदेश विभाग के नेतृत्व में अमेरिकी नागरिकों को निकालने का अभियान जारी रखेंगे क्योंकि अब यह सैन्य अभियान से बदलकर एक कूटनीतिक अभियान में बदल गया है।' जनरल मिले ने बताया कि इस अभियान में 11 मरीन, एक सैनिक और एक नौसैन्य कर्मी ने जान गंवाई और 22 अन्य घायल हो गए। इसके साथ ही काबुल हवाईअड्डे पर 26 अगस्त को हुए जघन्य आतंकवादी हमले में 100 से अधिक अफगान मारे गए। उन्होंने कहा, 'अफगानिस्तान में हमारा सैन्य अभियान अब खत्म हो गया है और हम इस अनुभव से सीख लेंगे। आने वाले वर्षों में यह अध्ययन किया जाएगा कि हम कैसे अफगानिस्तान में गए।'

विदेश सचिव श्रृंगला अमेरिका पहुंचे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक के लिए विदेश सचिव हर्ष वर्धन श्रृंगला अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन पहुंचे। श्रृंगला उन चुनिंदा विदेशी अधिकारियों में शामिल हैं जो अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद जो बाइडन प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों से मिलने के लिए शहर में हैं। विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने अमेरिका यात्रा पर आए भारतीय राजनयिक के साथ बैठक के बारे में पूछे जाने पर पत्रकारों से कहा कि हम आपको तयशुदा बैठक के बारे में समय-समय पर अवगत कराते रहेंगे। श्रृंगला न्यूयॉर्क से वाशिंगटन पहुंचे, जहां उन्होंने अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। भारत अगस्त के लिए संयुक्त राष्ट्र की 15 सदस्यीय शक्तिशाली शाखा का अध्यक्ष था। अमेरिका की राजधानी में उनकी बैठकों के बारे में कोई अन्य विवरण तत्काल उपलब्ध नहीं है। हालांकि, भारतीय और अमेरिकी अधिकारियों के बीच वार्ता में अफगानिस्तान और आगामी क्वाड शिखर सम्मेलन का मुद्दा शीर्ष पर रहने की संभावना है। क्वाड में चार देश ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका शामिल हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन ने क्वाड को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और इस साल प्रत्यक्ष तरीके से क्वाड शिखर सम्मेलन आयोजित करने की घोषणा की है।

फ्रांस में अब 30 किमी/घंटा की रफ्तार से ही दौड़ेंगी गाड़ियां

पेरिस में प्रदूषण कम करने के लिए उठाया यह कदम

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में अब साठ के बजाय मात्र 30 किमी/घंटा की रफ्तार से ही गाड़ियां दौड़ेंगी। यहां की खूबसूरत और ऐतिहासिक राजधानी पेरिस में प्रदूषण कम करने के लिए यह कदम उठाया गया है। इस नए नियम को लागू भी कर दिया गया है। शहर के पर्यावरण को बिगड़ने से बचाने के लिए यह एक शुरूआती कदम है। इससे लोग भी सुरक्षित होंगे, क्योंकि वाहन धीमे चलने से सड़क हादसे नहीं होंगे। अगर सड़क हादसे होते भी हैं तो मामले गंभीर नहीं होंगे। खास बात यह है कि प्रशासन की इस बात से शहर के 59 फीसदी लोग सहमत भी हैं। उन्होंने सरकार के फैसले का स्वागत भी किया। हालांकि कुछ लोग इसका

विरोध भी कर रहे हैं। सोमवार तक पेरिस की लगभग 60 फीसद सड़कों पर 30 किमी प्रति घंटे की सीमा थी। अब, यह मुख्य रिंग रोड और राजमार्गों को छोड़कर हर जगह लागू होता होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, 21.6 लाख की आबादी वाले पेरिस के घने बसे इलाकों में कार से ज्यादा लोग साइकिल से चलना पसंद करते हैं, जो कई बार तेज रफ्तार वाहनों की चपेट में आ जाते हैं। ऐसे में नए नियम उनके लिए फायदेमंद होगा। यह उपाय विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा मई में जारी एक अपील के अनुरूप भी है, जिसमें शहरी क्षेत्रों में सख्त गति सीमा का आह्वान किया गया है।

वाशिंगटन में सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात को लेकर टेक्सास के कानून पर रोक लगाने से इंकार कर दिया है।

क्या अमेरिकी हथियार पर होगा तालिबान का कब्जा

क्या तालिबान कर पाएगा इनका इस्तेमाल? उठ रहे सवाल

लंदन, एजेंसी। अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के साथ ही तालिबान के हाथ में कई बड़े हथियार लग गए थे। हालांकि, कई आधुनिक और अहम हथियार अमेरिकी सेना के कब्जे में ही थे। अब जब अमेरिकी सेना अफगानिस्तान छोड़ चुकी है, तब अमेरिकी सेना के कब्जे में जो हथियार थे, क्या उनपर तालिबान का कब्जा होगा। ये अहम सवाल है, अमेरिकी रक्षा विभाग द्वारा इसका जवाब भी दिया गया है। यूएस सेंट्रल कमांड के कमांड जनरल किनिथ मैकेंजी के मुताबिक, अमेरिकी सेना को एयरपोर्ट पर कुछ हथियार छोड़कर आने पड़े हैं। इनमें काउंटर रॉकेट, आर्टिलरी, मोर्टार मिसाइल डिफेंस सिस्टम आदि शामिल हैं, जो एयरपोर्ट पर ही मौजूद थे। सोमवार को जब काबुल एयरपोर्ट पर रॉकेट से हमला हुआ, तब इसी डिफेंस सिस्टम की मदद से उसे नाकाम किया गया था। इन हथियारों के अलावा करीब 70

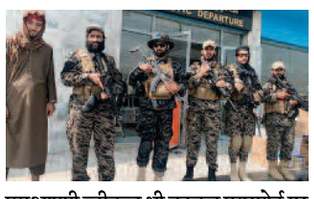

एमआएपी व्हीकल भी काबुल एयरपोर्ट पर हैं, 72 एयरक्राफ्ट और 27 मल्टी परपज व्हीकल भी काबुल एयरपोर्ट पर अमेरिका छोड़कर आया है। अमेरिकी सेना के मुताबिक, वो जो भी हथियार काबुल एयरपोर्ट पर छोड़कर आए हैं, उन्हें कोई इस्तेमाल नहीं कर सकता है। हम उन्हें ऐसा करके आए हैं कि वह एक लंबी प्रक्रिया, लंबे वक्त की मेहनत के बाद ही दोबारा काम कर सकेंगे। एक तरह से अब उन्हें कभी इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। इसके अलावा जिन वाहनों को अमेरिका छोड़कर आया है, उनका इस्तेमाल करना भी मुश्किल होगा। हालांकि, अमेरिका द्वारा उन 73 एयरक्राफ्ट की जानकारी नहीं दी गई है जो वह काबुल एयरपोर्ट पर छोड़कर आया है। अमेरिकी सेना ने सिर्फ इतना ही कहा है कि जो एयरक्राफ्ट हम छोड़कर आए हैं, वह अब इस्तेमाल नहीं किए जा सकेंगे।

गौरतलब है कि 30 अगस्त को अमेरिकी सेना का आखिरी विमान काबुल एयरपोर्ट से उड़ा। मेजर जनरल क्रिस डोनाहुए वो आखिरी अमेरिकी जवान थे, जिन्होंने अफगानिस्तान की धरती छोड़ी। अमेरिका ने अपनी तय तारीख से 24 घंटे पहले ही अफगानिस्तान को अलविदा कर दिया। बता दें कि अमेरिकी सेना के आखिरी विमान ने सोमवार देर रात को काबुल के हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी। इसी के साथ अफगानिस्तान में अमेरिका की 20 साल की मौजूदगी का अंत हुआ। तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा किया और अफगान आर्मी को मात दी।

कोरोना संक्रमण रोकने में मददगार हैं एमएमआर, और टीडीएपी टीके : स्टडी

वॉशिंगटन, एजेंसी। महामारी कोरोना के संक्रमण को रोकने में खसरा-कण्ठमाला-रूबेला (एमएआर) और टेटनस-डिप्थीरिया-पर्टुसिस (टीडीएपी) के टीके मददगार हैं। यह जानकारी एक नए अध्ययन में सामने आई है। अमेरिका में ब्रिघम एंड वीमेंस हास्पिटल के शोधकताओं के अनुसार टीकों का डिजायन 'मेमोरी टी और बी' कोशिकाओं के निर्माण के जरिए मजबूत और लंबे समय तक बनी रहने वाली प्रतिरक्षा क्षमता को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि बच्चों को दिए जाने वाले एमएमआर टीके और हर 10 साल में दिए जाने वाले टीडीएपी टीके से उन बीमारियों के खिलाफ सुरक्षा होती है जिनके नाम पर टीके हैं। उन्होंने कहा कि यह संभव है कि इन टीकों से सार्स-सीओवी-2 में वायरल एंटीजन सहित अन्य रोग पैदा करने वाले रोगाणुओं में मौजूद एंटीजन नामक प्रोटीन पर प्रतिक्रया में सक्षम 'मेमोरी टी' कोशिकाएं भी बन सकती हैं।

एक पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया

है कि पहले से मौजूद मेमोरी टी कोशिकाएं एमएमआर या टीडीएपी टीकाकरण से उत्पन्न होती हैं और एसएआरएस-सीओवी-2 संक्रमण द्वारा सक्रिय हो जाती हैं। ये प्रतिरक्षा प्रणाली को तुरंत वायरस का जवाब देने के लिए सक्रिय कर देती हैं, जिससे गंभीर बीमारी का खतरा कम होता है। शोधकर्ताओं ने एंटीजन पर 'टी' कोशिकाओं की प्रतिक्रिया का पता लगाने और उनकी पहचन करने के लिए संवेदनशील व नई तकनीकों का उपयोग करके प्रयोगशाला-आधारित विश्लेषण किए।

चीन में बच्चे अवकाश के दिन मात्र एक घंटे खेल सकते हैं गेम

नोटिस जारी कराया गया सभी को अवगत, बदले गेम खेलने के नियम

बीजिंग, एजेंसी। चीन के नेशनल प्रेस एंड पब्लिकेशन एडमिनिस्ट्रेशन की नोटिस के अनुसार, चीन में 1 सितंबर से बच्चे शुक्रवार, सप्ताहांत और सार्वजनिक अवकाश के दिन सुबह 8 बजे से 9 बजे तक गेम खेल सकते हैं। इससे पहले 2019 में लागू प्रतिबंध के तहत बच्चों को रोजाना डेढ़ घंटे और सार्वजनिक अवकाश के दिन तीन घंटे तक गेम खेलने की अनुमति दी गई थी।

नए नियमों का उद्देश्य खेलों में बच्चों की अधिक भागीदारी को रोकना और उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा करना है। बता दें कि चीन समेत दुनियाभर में हाल के दिनों में बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग को लेकर क्रेज बढ़ता हुआ दिखाई दिया है। नेशनल प्रेस एंड पब्लिकेशन एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा जारी एक नोटिस का हवाला देते हुए बताया कि ऑनलाइन गेम प्रोवाइडर शुक्रवार, शनिवार और रविवार को केवल एक घंटे के लिए नाबालिगों को सेवाएं दे सकते हैं। वे छुट्टियों के दौरान भी दिन में केवल एक घंटा ही ऑनलाइन गेम सकते हैं। नए नियम देश में टेक्नोलॉजी कंपनियों पर होने वाली बड़ी कार्रवाई का हिस्सा हैं. ओलंपिक गेम्स में दूसरे नंबर पर रहने वाले चीन का यह कदम भले ही कड़ा हो, लेकिन बच्चों की शिक्षा और सेहत के लिहाज से अहम है। फिजिकल गेम्स से दूर होकर ऑनलाइन गेम्स में बिजी रहने के चलते बच्चों की सेहत पर असर पड़ने को लेकर असर चिंताएं जाती रही हैं। ऐसे में चीन सरकार का यह कदम वाजिब मालूम पड़ता है। नए नियम से गेम क्षेत्र की बड़ी कंपनी टेनसेंट समेत चीन की कुछ बड़ी तकनीकी कंपनियां प्रभावित होंगी। टेनसेंट का आनर आफ किंग्स आनलाइन मल्टीप्लेयर गेम दुनिया भर में लोकप्रिय है।

पंजशीर घाटी पर तालिबान को कड़ी टक्कर, 40 लड़ाके मार गिराए, 30 घायल

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान की पंजशीर घाटी में तालिबान कब्जे के लिए जी-जान से जुटा है। तालिबान ने भी यहां उठ रहे विरोधी आंदोलन की गंभीरता को समझा है और लगातार इसे निशाना बना रहा है। इस बीच पंजशीर में खड़े सेकेंड रेसिटेंस फ्रंट ने ऐलान किया है कि तालिबानी हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है और कम से कम 40 लड़ाकों को ढेर कर दिया गया है। अफगान मीडिया के मुताबिक तालिबान के खिलाफ खड़े आंदोलन के प्रवक्ता फहीम दशती ने कहा है कि दो दिन में पंजशीर पर कई बार हमला किया गया है। अंदरब रास्ते से कई ओर से पंजशीर को निशाना बनाया गया है। उन्होंने दावा किया गया है इसमें 40 तालिबानी लड़ाकों को मौत के घाट उतार दिया गया है और कम से कम 30 को घायल किया गया है। दशती के मुताबिक तालिबान के उपकरण को भी नष्ट कर दिया गया है। उनकी 4 हमवी गाड़ियों को भी तबाह कर दिया गया।

इससे पहले भी अफगान मीडिया की रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि बघलान प्रांत के अंदराब में भी संघर्ष की खबरें आती रहीं। तालिबान ने इस इलाके में इंटरनेट को बंद कर दिया जिससे मरने वालों की संख्या की पुष्टि नहीं हो सकी। तालिबानी आतंकी किसी भी तरह से पंजशीर घाटी में घुसना चाहते हैं ताकि अहमद मसूद के किले पर फतह हासिल किया जा सके लेकिन उन्हें जोरदार पलटवार का सामना करना पड़ रहा है।

जापान में मॉडर्ना की कोरोनारोधी टीके की शीशी से निकले काले-गुलाबी कण, टीकाकरण रोका

टोक्यो, एजेंसी। महामारी कोरोना से बचाव के लिए जापान में भी टीकाकरण जारी है। यहां टीकाकरण के दौरान दवा की शीशियों में काले और गुलाबी कणों के मिलने के बाद कई क्षेत्रों में टीकाकरण कार्यक्रमों को अस्थायी रूप से रोक दिया है। पिछले हफ्ते, जापानी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दो वैक्सीन खुराक प्राप्त करने के बाद दो पुरुषों की मौत की सूचना दी। एक रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने एक फार्मासिस्ट से कानागावा प्रान्त में वैक्सीन की एक शीशी में कई काले कण देखे। वैक्सीन के उपयोग से पहले विदेशी पदार्थों की जांच के दौरान फार्मासिस्ट को काले कण मिले। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब तक, संभावित रूप से दूषित टीके से होने वाले किसी भी स्वास्थ्य खतरे का कोई सबूत नहीं है। ओकिनावा प्रीफेक्चर ने पिछले सप्ताह शनिवार और रविवार को नाहा में एक सामूहिक टीकाकरण केंद्र में मॉडर्ना वैक्सीन का प्रशासन रोक दिया था, जब लोड सीरिंज और एक शीशी के अंदर ब्लैक डॉट जैसे पार्टिकुलेट मैटर की पुष्टि हुई थी।

हालांकि, शीशियों की सामान्य पूर्व-उपयोग परीक्षा ने अंदर किसी भी विदेशी मेटेरियल की पुष्टि नहीं की। लॉट नंबर 3005293 से संबंधित कुल पांच विदेशी पदार्थों की पहचान की गई है, जिसमें एक गुलाबी पदार्थ भी शामिल है, जिसे पिछले शनिवार को ओकिनावा में एक भरी हुई सिरिंज के अंदर पाया गया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 26 अगस्त को जापान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा था कि पांच प्रान्तों में आठ टीकाकरण स्थलों पर 39 अप्रयुक्त शीशियों में विदेशी पदार्थ पाए गए हैं। उसी दिन, एक स्पेनिश कारखाने की एक ही उत्पादन लाइन से आने वाली लगभग 0.163 करोड़ खुराक को एहतियात के तौर पर उपयोग के लिए निलंबित कर दिया गया था। टीकाकरण प्रयास के प्रभारी मंत्री तारो कोनो ने कहा, हालांकि, संभावित रूप से दूषित खेपों से 5,00,000 से अधिक शॉट पहले ही प्रशासित किए जा चुके हैं। 16 अगस्त से विदेशी पदार्थों की पुष्टि की गई थी, जापानी दवा निमार्ता टेकेडा फार्मास्युटिकल, जो जापान में मॉडर्ना वैक्सीन की बिक्री और वितरण के प्रभारी हैं, ने देश के स्वास्थ्य मंत्रालय को समस्या की रिपोर्ट करने के लिए 25 अगस्त तक इंतजार किया।

सावधान! ड्रैगन की घेराबंदी तेज, बंगाल की खाड़ी तक पहुंची चीन की सड़क-ट्रेन

यंगून, एजेंसी। भारत के खिलाफ ड्रैगन के खतरनाक मंसूबे अब सामने आने लगे हैं। लद्दाख में तेवर दिखाने के बाद चीन ने अपनी स्ट्रिंग ऑफ पर्ल नीति के तहत भारत की चौतरफा घेरेबंदी तेज कर दी है। अब चीन ने पहली बार भारत का प्रभाव क्षेत्र कहे जाने वाले हिंद महासागर तक अपनी पहली ट्रेन दौड़ा दी है जो सड़क मार्ग से जुड़ी है। नई नवेली रेलवे लाइन के जरिए सामान लेकर यह ट्रेन म्यांमार सीमा से पश्चिमी चीन के चेंगदू व्यवसायिक हब तक रवाना हुई है। इस रोड-रेललाइन की मदद से चीन की अब सीधी पहुंच बंगाल की खाड़ी तक हो गई है। चीनी सरकारी मीडिया के मुताबिक प्रयोग के तौर पर सामान को चाइना-म्यांमार न्यू पैसेज के

जरिए 27 अगस्त को चेंगदू रेल पोर्ट तक लाया गया है। इस ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर में समुद्री-रोड रेल लिंक शामिल है। सिंगापुर से चीन का सामान अंडमान सागर से होते हुए मालवाहक जहाज के जरिए म्यांमार के यंगून बंदरगाह तक पहुंचा था। इसके बाद सामान को सड़क के जरिए म्यांमार-चीन सीमा पर यूनान प्रांत के लिकांग तक पहुंचाया गया।

इसके बाद सामान को लिकांग से रेलवे के जरिए चेंगदू तक ले जाया गया। इस तरह से चीन अब सिंगापुर से म्यांमार के रास्ते भी जुड़ गया है। चीनी रिपोर्ट में कहा गया है कि यह हिंद महासागर से दक्षिणी-पश्चिमी चीन को कनेक्ट करने का सबसे आसान रास्ता है। चीन ने कहा कि इस रास्ते के इस्तेमाल से एक तरफ यात्रा में 20 से 22 दिन कम लग रहे हैं। चीन की म्यांमार के अशांत रखाइन राज्य में क्याउकफयू में एक और बंदरगाह बनाने की योजना है। यही नहीं चीन इस बंदरगाह तक यूनान से सीधी रेलवे लाइन बनाना चाहता है लेकिन म्यांमार में हिंसा के कारण चीन की इस परियोजना में देरी हो रही है। चीन अभी पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह के जरिए हिंद महासागर से जुड़ने पर काम कर रहा है। इससे वह मलक्का स्ट्रेट में अपने दुश्मनों के घेरे जाने के खतरे से बच जाएगा। ग्वादर पोर्ट को सीपीईसी के तहत बनाया जा रहा है। हालांकि अगर चीन चेंगदू के लिए म्यांमार के रास्ते व्यापार करता है तो उसका खर्चा ग्वादर के मुकाबले कम आएगा।

म्यांमार की सीमा से चीन के चेंगदू शहर तक ट्रेन के पहुंचने में मात्र 3 दिन का समय लगता है। म्यांमार मीडिया के मुताबिक यह पश्चिमी चीन को हिंद महासागर से जोड़ने का पहला रास्ता है। चीन की रेलवे लाइन अभी म्यांमार की सीमा तक आकर खत्म हो जाती है। अब इसे चीन बंदरगाह तक बढ़ाना चाहता है। चीन म्यांमार के सीमाई कस्बे चिन श्वे हाव को बेल्ट एंड रोड परियोजना के जरिए 'बॉर्डर इकनॉमिक जोन' के रूप में बदलना चाहता है। विश्लेषकों के मुताबिक चीन की बंगाल के खाड़ी तक सीधी पहुंच भारत के लिए बड़ा खतरा है। चीन जिस रास्ते से दक्षिणी पूर्वी एशियाई देशों के साथ व्यापार करना चाहता है, उसी रास्ते में अंडमान निकोबार द्वीप समूह भी आते हैं। चीन के जहाज आगे चलकर बड़े पैमाने में बंगाल की खाड़ी से गुजरेंगे। इससे वे आसानी से भारतीय द्वीपों पर नजर रख सकते हैं। यही नहीं चीन की बढ़ती पहुंच से पूर्वोत्तर भारत में भी संकट बढ़ सकता है जहां विद्रोही अक्सर हमले करते रहते हैं।

‘प्रार्थना’ परमपिता परमात्मा से जुड़ने का सबसे सशक्त माध्यम है !

ईश्वरीय प्रकाश से आत्मा के प्रकाशित होने से मनुष्य का सारा जीवन प्रकाशित हो जाता है। प्रार्थना का संबंध जीवन से अवश्य होना चाहिए। हमें प्रभु से प्रार्थना करनी चाहिए कि हे प्रभु आप मेरी सहायता करें। मेरी इच्छा तेरी इच्छा के अनुकूल हो। हमें प्रार्थना के माध्यम से अपनी इच्छाओं को ईश्वर की इच्छाओं से जोड़ना चाहिए। हमें परमात्मा से प्रार्थना करनी चाहिए कि हे परमात्मा! हम सदैव आपकी बनायी इस सृष्टि को बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत रहेंगे। ईश्वर की सृष्टि को सुन्दर बनाने के लिए अपने ज्ञान-विज्ञान तथा अनुभव का उपयोग करेंगे।

परमात्मा द्वारा दिये गये शरीर रूपी यंत्र के माध्यम से हमें ईश्वरीय आज्ञाओं का पालन करना चाहिए। परमात्मा कहते हैं कि तुम्हें जो आँखें दी हैं, वे सुन्दर व ईश्वरीय सपने देखने के लिए दी हैं। इसलिए व्यर्थ की चीजें हम अपनी इन आँखों से न देखें। किसी भी चीज को देखते हुए हमारा भाव ईश्वरीय होना चाहिए। ईश्वर कहता है कि तेरी आँखें मेरा भरोसा है। तू इसको व्यर्थ की इच्छाओं की धूल से गंदा न कर। तेरे कान मेरी पवित्र वाणी को सुनने के लिए हैं। तेरा हृदय मेरे गुणों का खजाना है। तेरे स्वार्थ रुपी हाथ कहीं मेरे खजाने को लूट न लें। तुझे हाथ इसलिए दिये हैं कि इन हाथों में ईश्वर द्वारा दिव्य लोक से भेजी गई पवित्र पुस्तकें गीता, त्रिपटक, बाईबिल, कुरान, गुरु ग्रंथ साहिब व किताबे अकदस आदि हों। तू अपने हाथों से वही कार्य कर जो ईश्वरीय आज्ञाओं तथा इच्छाओं के अनुकूल हों। इसलिए हमारी अपनी कोई इच्छा नहीं होनी चाहिए बल्कि हमें प्रभु इच्छा को ही अपनी इच्छा बनाते हुए अपने शरीर रूपी यंत्र के माध्यम से प्रभु की आज्ञाओं का पालन करना चाहिए। जो लोग प्रभु की इच्छा तथा आज्ञा को पहचान लेते हैं फिर उन्हें धरती तथा आकाश की कोई शक्ति प्रभु का कार्य करने से रोक नहीं सकती।

‘प्रार्थना’ परमपिता परमात्मा से जुड़ने का सबसे सशक्त माध्यम है:-

इस सृष्टि को सुन्दर बनाने के लिए हमें इस शरीर रुपी यंत्र का सदुपयोग करना चाहिए। इसके लिए हमारा मन तथा हृदय ईश्वरीय इच्छाओं से लबालब होना चाहिए। प्रार्थना परमपिता परमात्मा से जुड़ने का सबसे सशक्त माध्यम है। प्रभु वातालर्ाप के माध्यम से हमारी आत्मा में प्रकाश आता है। ईश्वरीय प्रकाश से आत्मा के प्रकाशित होने से मनुष्य का सारा जीवन प्रकाशित हो जाता है। प्रार्थना का संबंध जीवन से अवश्य होना चाहिए। हमें प्रभु से प्रार्थना करनी चाहिए कि हे प्रभु आप मेरी सहायता करें। मेरी इच्छा तेरी इच्छा के अनुकूल हो। हमें प्रार्थना के माध्यम से अपनी इच्छाओं को ईश्वर की इच्छाओं से जोड़ना चाहिए। हमें परमात्मा से प्रार्थना करनी चाहिए कि हे परमात्मा ! हम सदैव आपकी बनायी इस सृष्टि को बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत रहेंगे। ईश्वर की सृष्टि को सुन्दर बनाने के लिए अपने ज्ञान-विज्ञान तथा अनुभव का उपयोग करेंगे। इस ईश्वरीय कार्य के लिए ईश्वर की तरफ से देवदूतों की एक के बाद दूसरी, दूसरी के बाद तीसरी और इसी प्रकार तमाम आध्यात्मिक विचारों से परिपूर्ण सेनायें हमारी सहायता के लिये आ जायेगीं।

ईश्वर की सहायता से ही सभी समस्याओं पर विजय संभव:-

परमात्मा जिस समय हमारी सहायता करता है उस समय हमारे मस्तिष्क में जो विचार आते हैं वे विचार हमारे अच्छे के लिए ही होते हैं। वे विचार हमारी भलाई के लिए होते हैं। हम उस समय कितनी भी बड़ी कठिनाई में क्यों न हो परमात्मा हमें सही मार्गदर्शन देकर उन समस्याओं पर हमारी विजय दिला देते हैं। उस समय हमारे मस्तिष्क में ऐसे-ऐसे विचार आने लगते हैं, उन समस्याओं के समाधान के लिए ऐसे-ऐसे सुझाव आने लगते हैं, जिनके बारे में हमने पहले कभी सोचा तक नहीं होता है। ईश्वर जब हमारी सहायता के लिए आता है तो हमारे सोचने और समझने की शक्ति में गजब का इजाफा हो जाता है। हमारे अंदर से सही काम को करने की शक्ति पैदा हो जाती है। हमारे विचारों में परमात्मा का ज्ञान प्रवाहित होता चला जाता है। यह दिव्य ज्ञान परमात्मा हमें दिव्य लोक से विचारों के माध्यम से भेजते रहते हैं। किसी भी कार्य को करने के पूर्व उसके अन्तिम परिणाम पर सोच लेना समझदारी है।

ईश्वर की भक्ति के बाद हम मानसिक रूप से बहुत अधिक शक्तिशाली हो जाते हैं:-

ईश्वर, अल्ला, खुदा, गॉड या परमात्मा, जिस भी रूप में हम उसे मानते हैं, उसकी शरण में चले जाने के बाद हमारी आत्मा में इतना बल आ जाता है कि हमारा मन स्थिर हो जाता है और हम बहुत तीव्रता के साथ उन समस्याओं के समाधान के लिए सही दिशा में सोचते चले जाते हैं। उस समय हमारे द्वारा जो भी निर्णय लिया जाता है वह एकदम सही और हमारे हित के लिए होता है। ईश्वर की भक्ति के बाद हम मानसिक रूप से बहुत अधिक शक्तिशाली हो जाते हैं। हमारे द्वारा की गई प्रार्थना के बाद परमपिता परमात्मा हमारे मस्तिष्क में विचारों के माध्यम से जो ज्ञान देता है उन्हीं ज्ञान पर चलकर ही हम अपने जीवन में बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त करते जायेंगे। इसलिए हमें मन ही मन में परमात्मा को याद करना चाहिए। उनकी प्रार्थना, उनका मनन तथा उनका चिंतन करना चाहिए और अपने लिए मार्गदर्शन मांगना चाहिए। प्रार्थना के माध्यम से हमें परमात्मा से जुड़ना चाहिए। फिर परमात्मा हमें अपना जो मार्गदर्शन दें उस पर चलते हुए हमें सारी मानवता की भलाई के लिए काम करना चाहिए। ऐसा करने से परमात्मा हमसे खुश होगे और हम उसकी सहायता से अपने जीवन में नित्य नई-नई बुलंदियों को छूते चले जायेंगे। हरि मेरे घर को यह वर दो, मात-पिता की सेवा हो, भाई-बहिन में निश्चल प्रेम हो, अतिथि मित्र का सदा सत्कार हो। घर ही मेरे लिए तीर्थ हो। पारिवारिक एकता ही विश्व एकता तथा वसुधैव कुटुम्बकम्की आधारशिला है।

संपादकीय

महंगाई की मार

देश की तेल कंपनियों ने 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में 25 रुपए का इजाफा किया है। वहीं 19 किलोग्राम कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 75 रुपए का इजाफा हुआ है। इस वक्त महंगाई पर काबू पाना सरकार के लिए चुनौती बना हुआ है। उस पर पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और प्राकृतिक गैस की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अब लगभग पूरे देश में पेट्रोल की कीमत सौ रुपए से ऊपर पहुंच गई है। डीजल भी उसी के नक्शे-कदम पर चल रहा है। कुछ दिनों पहले ही रसोई गैस के सिलेंडर की कीमत में भारी बढ़ोतरी की गई थी। अभी प्राकृतिक गैस यानी सीएनजी और पाइप के जरिए घरों में पहुंचाई जाने वाली रसोई गैस यानी पीएनजी की दरों में भी इजाफा कर दिया गया है। स्वाभाविक ही, इसका असर आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ रहा है। कोरोना काल में बाजार, कारोबार, उद्योग-धंधे बंद होने की वजह से लाखों लोगों के रोजगार छिन चुके हैं, लाखों लोगों की वेतन वाली नौकरियां जा चुकी हैं, निजी संस्थानों में कर्मचरियों के वेतन में भारी कटौती की गई है, जो फेरी लगाने, मिस्त्रीगीरी, इधर से उधर सामान पहुंचाने वगैरह का काम किया करते थे, उनके धंधे में भारी गिरावट आई है। ऐसे में देश के हर वर्ग के सामने अपने दैनिक खर्च में संतुलन बिठाना मुश्किल हो रहा है। तिस पर पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस आदि की ऊपर चढ़ती कीमतें उनकी चुनौतियां और बढ़ा रही हैं। ईंधन की कीमतें बढने से रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाली दूसरी वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ती हैं। उनकी उत्पादन लागत, ढुलाई आदि पर खर्च बढ़ जाता है, जिसे अंतिम रूप से आम उपभोक्ता को ही वहन करना पड़ता है। लोगों की कमाई लगातार घटती गई है और उनके रोज के यातायात और खाने-पीने पर खर्च बढ़ गए हैं। इसके अलावा बच्चों के स्कूल की फीस, उनकी पढ़ाई-लिखाई से जुड़े दूसरे खर्चो को संभालना मुश्किल है। स्थिति यह है कि इस वक्त महंगाई अपने चरम पर है। उसे काबू में करने के तमाम प्रयास विफल हो चुके हैं। अर्थव्यवस्था को मजबूती और टिकाऊपन तभी मिल पाएगा, जब लोगों की क्रयशक्ति बढ़ेगी और वह तब संभव होगा, जब रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। अभी स्थिति यह है कि वित्तीय कमजोरी की वजह से तमाम संस्थानों ने अपने यहां नई भर्तियों पर रोक लगा रखी है। लोगों की आय बंद या फिर कम हो गई है, इसलिए वे जरूरी खर्चो के मामले में भी मुी भींच कर चल रहे हैं। ऐसे में नए रोजगार के रास्ते संकुचित हो गए हैं। नए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए बड़े पूंजीपति घरानों के बरक्स लघु, सूक्ष्म और मंझोले उद्योगों को मजबूती से खड़ा करना बहुत जरूरी है। इसके अलावा महंगाई रोकने के उपायों पर गंभीरता से अमल करना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि रिजर्व बैंक की समावेशिता की नीति इस दिशा में कुछ सकारात्मक परिणाम दे सकेगी। बाजार में तेजी ला पाना बड़ी चुनौती रहेगी। मगर वह वित्तीय संतुलन और समावेशिता के अपने इरादे में कुछ हद तक सफल हो पाता है, तो बड़े और छोटे उद्योगों के बीच बढ़ रही खाई को पाटने में अवश्य कुछ कामयाबी मिल सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने एक बार फिर दोहराया है कि चालू वित्तवर्ष में विकास दर साढ़े दस फीसद रह सकती है। अप्रैल की अपनी मौद्रिक नीति की समीक्षा के वक्त ही उसने यह अनुमान घोषित कर दिया था। कोरोना काल में अर्थव्यवस्था का रुख लगातार नीचे की तरफ बना रहा। उसके पहले भी चार-पांच तिमाहियों से अर्थिक विकास दर लगातार घट रही थी। इस वक्त महंगाई चरम पर है, पेट्रोल-डीजल की कीमतें काबू में नहीं आ पा रही हैं, लाखों लोगों के रोजगार छिन गए हैं, जिनके पास रोजगार हैं भी, उनकी आय घट गई है और नौकरीशुदा लोगों के वेतन में कटौती की गई है। बहुत सारे लघु, सूक्ष्म और मझोले उद्योग या तो बंद हो चुके हैं या बंद होने की कगार पर हैं। हालांकि सरकार ने उन्हें नए सिरे से कर्ज लेकर अपनी स्थिति सुधारने का अवसर उपलब्ध कराया, पर उसका कोई उल्लेखनीय नतीजा नजर नहीं आ रहा। ब्याज दरों के न्यूनतम स्तर पर रखे जाने के बावजूद बाजार में गति नहीं आ पा रही।

टोक्यो पैरालिंपिक में झाझड़िया ने रचा इतिहास

भारत रत्न डॉ एपीजे अब्दुल कलाम और अपनी मां जीवणी देवी को अपना आदर्श मानने वाले देवेंद्र की झोली आज पदकों-पुरस्कारों से भरी पड़ी है और देवेंद्र कामयाबी के इस आसमान पर खड़े होकर भी अपनी मिट्टी को सलाम करते हैं। खेलों के सिलसिले में दर्जनो देशों का सफर कर चुके देवेंद्र को सुकून तक मिलता है। जब वे गांव आने के बाद अपने खेल जीवन की शुरूआत में कर्मस्थली बनी गांव के जोहड़ की मिट्टी में अभ्यास करते हैं। मई 2007 में विवाह सूत्र में बंधे देवेंद्र की जीवन-संगिनी मंजू भी कबड्डी की राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी रह चुकी हैं। साधारण परिवेश और अभावों की बहुलता से अपने हौसले के दम पर संघर्ष कर इतिहास रचने वाले राजस्थान के नूर और युवा पीढ़ी के प्रेरणा स्रोत देवेंद्र झाझडिया भारत सरकार की ओर से राष्ट्रपति के हाथों पद्मश्री अवार्ड भी दिया जा चुका है। देवेंद्र ने अपनी यह उपलब्धि अपने माता-पिता को समर्पित करते हुए कहा कि इससे समाज के तमाम नि:शक्तों का हौसला बढेगा और नि:शक्तों के प्रति लोगों की धारणाओं में बदलाव आएगा।

टोक्यो पैरालिंपिक में भारत के देवेंद्र झाझड़िया ने पुरुषों के जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) - एफ46 में सिल्वर मेडल जीत कर भारत का नाम रोशन किया है। सोमवार को टोक्यो ओलिंपिक में उन्होंने 64.35 मीटर भाला फेंककर चांदी का तमगा अपने नाम किया है। वहीं सुंदर सिंह गुर्जर ने इसी इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 64.01 मीटर भाला फेंका। ये दोनो ही खिलाड़ी राजस्थान के है।

झाझड़िया ने शुरूआत में सिर्फ 60 मीटर भाला फेंका। इसके बाद उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में 64.35 मीटर भाला फेंका। इसके साथ ही भारत की पदक की उम्मीद जिंदा हो गई। चौथे और पांचवें थ्रो में भारतीय पैरा-एथीलट का थ्रो फाउल रहा। उनका आखिरी थ्रो 61.23 मीटर का रहा। सुंदर ने भी धीमी शुरूआत की लेकिन अपने पांचवें प्रयास में 64 मीटर को पार किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने देवेन्द्र झाझड़िया व सुन्दर गुर्जर को उनके पदक जीतने पर बधाई दी है।

जैसे ही देवेन्द्र के रजत पदक व सुन्दर गुर्जर के कांस्य पदक जीतने की सूचना मिली तो हर ओर बधाई संदेश मिलने शुरू हो गए। देवेंद्र झाझड़िया ने टोक्यो पैरालंपिक में 64.35 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो करते हुए सिल्वर पदक जीता है। इसी के साथ ही देवेंद्र झाझड़िया के पास अब पैरालंपिक में पदकों की संख्या तीन हो गई है।

राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र के चूरू जिले के देवेन्द्र झाझड़िया अब तक दर्जनों पदक अपने नाम कर चुके हैं। 2004 में एथेंस पैरालंपिक में देवेन्द्र ने 62.15 मीटर भाला फेंककर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। इस बाद देवेन्द्र ने रियो पैरालंपिक-2016 में अपना ही बनाया विश्व रिकॉर्ड तोड़ते हुये 63.97 मीटर भाला फेंककर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

कतर की राजधानी दोहा में सम्पन्न हुये आईपीसी 2015 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) में भारत की और से देवेन्द्र झाझडिया ने रजत पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया था। यह स्पर्धा पैरा ओलंपिक के बाद विश्व की सबसे बड़ी प्रतियोगिता मानी जाती है। इससे पूर्व झाझडिया ने 2013 में फ्रांस के लियोन शहर में आईपीसी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने फ्रांस के लियोन में सम्पन्न हुयी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जैवलिन थ्रो में 57.04 मीटर दूरी तक थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता था। विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में लगातार भारत की तरफ से पदक जीतने वाले देवेन्द्र एकमात्र खिलाड़ी है।

आठ साल की उम्र में बिजली के करंट का शिकार होकर अपना एक हाथ गंवा देने वाले देवेंद्र झाझडिया के लिए यह हादसा कोई कम नहीं था। दूसरा कोई होता तो दुनिया की दया, सहानुभूति तथा किसी सहायता के इंतजार और उपेक्षाओं के बीच अपनी जिंदगी के दिन काटता लेकिन हादसे के बाद एक लंबा वक्त बिस्तर पर गुजारने के बाद जब देवेंद्र उठा तो उसके मन में एक और ही संकल्प था और उसके बचे हुए दूसरे हाथ में उस संकल्प की शक्ति देखने लायक थी। देवेंद्र ने अपनी लाचारी और मजबूरी को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। कुदरत के इस अन्याय को ही अपना सम्बल मानकर हाथ में भाला थाम लिया और एथेंस पैराओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत कर वो करिश्मा कर दिखाया जिसका ख्वाब हर कोई देखता है।

दराजस्थान में चूरू जिले की राजगढ़ तहसील के छोटे से गांव जयपुरिया की ढाणी में एक साधारण किसान रामसिंह के घर 10 जून 1981 को जन्मे देवेंद्र किसी परिचय के मोहताज नहीं। सुविधाहीन परिवेश और विपरीत परिस्थितियों को देवेंद्र ने कभी अपने मार्ग की बाधा स्वीकार नहीं किया। गांव के जोहड़ में देवेंद्र ने लकड़ी का भाला बनाकर खुद ही अभ्यास शुरू कर दिया। कॉलेज में पढ़ते वक्त बंगलौर में राष्ट्रीय खेलों में जैवलिन थ्रो और शॉट पुट में पदक जीतने के बाद तो देवेंद्र ने कभी पीछे मुडकर नहीं देखा। 1999 में राष्ट्रीय स्तर पर जैवलिन थ्रो में सामान्य वर्ग के साथ कड़े मुकाबले के बावजूद स्वर्ण पदक जीतना देवेंद्र के लिए बड़ी उपलब्धि थी।

देवेंद्र के ओलंपिक स्वप्न की शुरूआत हुई 2002 के बुसान (दक्षिण कोरिया) एशियाड में स्वर्ण पदक जीतने के साथ। इसके बाद 2003 के ब्रिटिश ओपन खेलों में देवेंद्र ने जैवलिन थ्रो, शॉट पुट और ट्रिपल जम्प तीनों स्पधाओं में सोने के पदक अपनी झोली में डाले। देश के खेल इतिहास में देवेंद्र का नाम उस दिन सुनहरे अक्षरों में लिखा गया जब उन्होंने 2004 के एथेंस ग्रीस पैरा ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। 2006 में मलेशिया के कुआलालमपुर में आयोजित फेसपिक गेम्स में उन्होने स्वर्ण पदक जीता। 2007 के वर्ल्ड गेम्स में रजत पदक व 2009 के वर्ल्ड गेम्स में स्वर्ण पदक जीता था। देवेंद्र झाझडिया ने दुबई में संपन्न छठी फैजा इंटरनेशनल चैंपियनशिप की भाला जैवेलियन थ्रो स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

देवेंद्र की कामियाबियों पर उन्हें 3 दिसम्बर 2004 को राष्ट्रपति ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उन्हे सम्मानित किया था। 2004 में महाराणा प्रताप राज्य खेल पुरस्कार मिला। 29 अगस्त 2005 में अर्जुन अवार्ड से नवाजे गए। 2005 में पीसीआई उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार मिला। 2014 में पद्मश्री और पैरा स्पोर्ट्स पर्सन ऑफ द ईयर अवार्ड मिला। 2016 में जीक्यू मैगजीन ने बेस्ट प्लेयर के अवार्ड से नवाजे गये। 29 अगस्त 2017 को खेलों में देश का सबसे बड़ा मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवार्ड मिला।

भारत रत्न डॉ एपीजे अब्दुल कलाम और अपनी मां जीवणी देवी को अपना आदर्श मानने वाले देवेंद्र की झोली आज पदकों-पुरस्कारों से भरी पड़ी है और देवेंद्र कामयाबी के इस आसमान पर खड़े होकर भी अपनी मिट्टी को सलाम करते हैं। खेलों के सिलसिले में दर्जनो देशों का सफर कर चुके देवेंद्र को सुकून तक मिलता है। जब वे गांव आने के बाद अपने खेल जीवन की शुरूआत में कर्मस्थली बनी गांव के जोहड़ की मिट्टी में अभ्यास करते हैं। मई 2007 में विवाह सूत्र में बंधे देवेंद्र की जीवन-संगिनी मंजू भी कबड्डी की राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी रह चुकी हैं। साधारण परिवेश और अभावों की बहुलता से अपने हौसले के दम पर संघर्ष कर इतिहास रचने वाले राजस्थान के नूर और युवा पीढ़ी के प्रेरणा स्त्रोत देवेंद्र झाझडिया भारत सरकार की ओर से राष्ट्रपति के हाथों पद्मश्री अवार्ड भी दिया जा चुका है। देवेंद्र ने अपनी यह उपलब्धि अपने माता-पिता को समर्पित करते हुए कहा कि इससे समाज के तमाम निःशक्तों का हौसला बढेगा और निःशक्तों के प्रति लोगों की धारणाओं में बदलाव आएगा।

कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ऑनलाइन बातचीत में देवेंद्र झाझड़िया ने कहा था कि जब मेरी स्पर्धा भालाफेंक को पैरालंपिक 2008 में शामिल नहीं किया गया था। उस वक्त मैंने सोचा था कि ठीक है यह 2012 में शामिल हो जायेगा। लेकिन जब 2012 में यह फिर शामिल नहीं हुआ तो मैंने सोचा कि मैं खेल छोड़ दूं। तब मेरी पत्नी मंजू ने कहा कि मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए और मैं 2016 तक खेल सकता हूं। इसलिए मैंने अपनी योजना बदल दी। 2013 में मुझे पता चला कि भालाफेंक स्पर्धा को रियो पैरालंपिक में शामिल किया गया है। फिर मैंने गांधीनगर के भारतीय खेल प्राधिकरण केन्द्र में अभ्यास शुरू किया और 2016 रियो में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता था।

देवेन्द्र झाझडिया का मानना है कि ग्रामीण इलाकों में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं हैं मगर वे प्रतिभायें सुविधाओं के अभाव में आगे नही आ पाती हैं। खिलाडियों के लिये आधुनिक सुविधायुक्त मैदानों की कमी व अच्छे कोच भी नहीं हैं। उनका मानना है कि राजस्थान सरकार को हरियाणा की तरह खिलाडियों को प्रोत्साहित करना चाहिये तथा गुजरात की तर्ज पर खेल महाकुंभ का आयोजन करना चाहिये ताकि प्रतिभाशाली खिलाडियों को आगे आने का मौका मिल सकें।

प्रवीण कुमार सिंह

पैरालम्पिक टेबल टेनिस में पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी हैं भाविना

भारत की नारी शक्ति विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने के अलावा अब खेलों में भी लगातार इतिहास रच रही है और देश की आधी आबादी को अपने-अपने क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए पूरी हिम्मत और हौंसला प्रदान कर रही है। पिछले दिनों टोक्यो ओलम्पिक में भारत की महिला हॉकी टीम भले ही पदक जीतने में सफल नहीं हो सकी थी किन्तु सभी महिला खिलाड़ियों ने जिस बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया था, उससे समूचा राष्ट्र उनका मुरीद हो गया। ओलम्पिक में मीराबाई चानू, पीवी सिंधु तथा लवलीना बोरगोहेन ने तो पदक जीतकर खेलों की दुनिया में नारी शक्ति की बढ़ती ताकत का स्पष्ट अहसास कराया ही था। महिला खिलाड़ी ओलम्पिक के अलावा अन्य अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पधाओं में भी शानदार प्रदर्शन कर रही हैं और अब 29 अगस्त को गुजरात के एक गांव में छोटी सी परचून की दुकान चलाने वाले हंसमुखभाई पटेल की 34 वर्षीया बेटी भाविना बेन पटेल ने टोक्यो पैरालम्पिक में भारत के लिए पहला पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। पैरालम्पिक खेलों में पदक जीतने वाली भाविना दूसरी भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। उनसे पहले पांच साल पूर्व रियो पैरालम्पिक में भारतीय पैरालम्पिक समिति (पीसीआई) की मौजूदा अध्यक्ष दीपा मलिक गोला फैंक में रजत पदक जीतकर पैरालम्पिक खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी थी।

गुजरात के मेहसाणा जिले के वडनगर के एक छोटे से गांव में 6 नवम्बर 1986 को जन्मी भाविना की यह जीत भारत की नारी शक्ति के लिए इसलिए भी प्रेरणादायी है क्योंकि जिस भाविना को शुरू से ही पदक का दावेदार ही नहीं माना जा रहा था, उसने अपने हौंसले और जज्बे की बदौलत अपने पहले ही पैरालम्पिक में रजत जीतकर इतिहास रच डाला। हालांकि पैरालम्पिक की टेबल टेनिस क्लास 4 स्पर्धा के महिला एकल फाइनल मुकाबले में भाविना दुनिया की नंबर वन मानी जाने वाली बीजिंग तथा लंदन में स्वर्ण पदक सहित पैरालम्पिक में पांच पदक जीतने वाली और विश्व चैम्पियनशिप की छह बार की पदक विजेता चीन की झाउ यिंग से हार गई लेकिन भाविना भारत की ओर से टेबल टेनिस में पैरालम्पिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं और पैरालम्पिक के इतिहास में टेबल टेनिस स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली भी पहली भारतीय हैं। उल्लेखनीय है कि क्लास 4 वर्ग के खिलाड़ियों के शरीर में विकार मेरूदंड में चोट के कारण होता है और उनका बैठने का संतुलन सही रहता है तथा उनकी बांह और हाथ पूरी तरह से काम करते हैं।

विश्व रैंकिंग में 12वें नंबर की खिलाड़ी भाविना का सफर टोक्यो पैरालम्पिक में बहुत शानदार रहा, जो शुरूआत से ही दिग्गज मानी जाने वाली खिलाड़ियों को भी पछाड़ते हुए आगे बढ़ती रही। भाविना ने प्री-क्वार्टर फाइनल में विश्व की 8वें नंबर की खिलाड़ी को, क्वार्टर फाइनल में रियो पैरालम्पिक की स्वर्ण पदक विजेता और विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी बोरिस्लावा पेरिच रांकोविच को तथा सेमीफाइनल में चीन की स्टार खिलाड़ी और विश्व रैंकिंग में नंबर तीन मियाओ झांग को हराते हुए भारत के लिए रजत पदक जीतकर पैरालम्पिक में इतिहास रचा है। भाविका जब करीब एक वर्ष की ही थी, तभी वह पोलियो से ग्रस्त हो गई थी लेकिन परिवार के पास भाविना का अच्छा इलाज कराने के लिए पैसे नहीं थे। हालांकि जैसे-तैसे करके भाविना के पिता ने कुछ समय बीत जाने के बाद विशाखापट्टनम में उनकी सर्जरी कराई लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ तथा सर्जरी के बाद की जाने वाली एक्सरसाइज में लापरवाही बरतने के कारण भाविना सदा के लिए दिव्यांग बन गई और हमेशा के लिए उन्हें व्हीलचेयर को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाना पड़ा लेकिन भाविना ने व्हील चेयर को कभी अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। उन्होंने अपने गांव में ही 12वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद पत्राचार से स्नातक की डिग्री भी हासिल की। भाविना ने करीब 13 वर्ष पहले अहमदाबाद के वस्त्रापुर इलाके में नेत्रहीन संघ में खेलना शुरू किया था, जहां वह दिव्यांगों के लिए आईटीआई की छात्रा थी। वहां उन्होंने दृष्टिदोष वाले बच्चों को टेबल टेनिस खेलते देखा तो इसी खेल को अपनाने का निर्णय ले लिया और उसके बाद अहमदाबाद में रोटरी क्लब के लिए पहला पदक जीता। परिवार की आर्थिक स्थिति काफी डांवाडोल थी, इसलिए भाविना को अपना खर्चा चलाने के लिए एक अस्पताल में नौकरी भी करनी पड़ी। 2011 में पीटीटी थाईलैंड टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में भारत के लिए रजत पदक जीतकर वह दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी बनी और अक्तूबर 2013 में भाविका ने बीजिंग में आईटीटीएफ पैरा टेबल टेनिस (पीटीटी) एशियाई क्षेत्रीय चैम्पियनशिप के महिला एकल वर्ग में भी रजत पदक जीता। आईटीटीएफ पीटीटी एशियाई क्षेत्रीय चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने वाली वह पहली भारतीय पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी थी। गुजरात के लिए जूनियर क्रिकेट खेल चुके निकुल पटेल से उनका विवाह हुआ, जो भाविना के दिव्यांग होने के बावजूद उसके बुलंद हौंसलों से अत्यधिक प्रभावि[illegible]

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

आरडीयू ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया में 20 सितम्बर तक की वृद्धि

प्रवेश समिति की ऑनलाइन बैठक का आयोजन

जबलपुर (एजेंसी)।

रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी में परस्पर समन्वय से नए शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए प्रवेश प्रक्रिया को लेकर उत्साहजनक माहौल निर्मित हुआ है। पूर्व में यूनिवर्सिटी की ओर से सभी शिक्षण विभागों में प्रवेश के लिये 31 अगस्त 2021 तक अंतिम तिथि निर्धारित की गयी थी। यूनिवर्सिटी विभागों में प्रवेशार्थियों की मांग पर अब प्रवेश तिथि में संशोधन करते हुए इसे 20 सितम्बर, 2021 तक बढ़ाया जा रहा है। उपरोक्त जानकारी कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने गुरुवार को आयोजित प्रवेश समिति की ऑनलाइन बैठक के दौरान दी।

सुविधाओं को शीघ्रता से पूर्ण करने की दिशा में प्रयास किए जाए

बैठक में कुलपति प्रो. मिश्र ने सभी विभागाध्यक्षों को इस बात के लिए भी निर्देशित किया कि विद्यार्थियों से संबंधित सभी प्रवेश कार्यों एवं सुविधाओं को शीघ्रता से पूर्ण करने की दिशा में प्रयास किए जाएं। ऑनलाईन बैठक में कुलसचिव प्रो. ब्रजेश सिंह ने बताया कि नए शैक्षणिक सत्र 2021-22 के मद्देनजर सभी शैक्षणिक विभागों में साफ-सफाई, सेनेटाईजेशन एवं अकादमिक कार्यों हेतु संसाधनों की व्यवस्थाओं के लिये दिशा-निर्देश दिये जा रहे हैं, जिससे शिक्षा का स्वस्थ्य वातावरण विद्यार्थियों को उपलब्ध हो सके। इसके अलावा यूनिवर्सिटी की वेबसाईट को भी अपडेट कराने का कार्य भी शीघ्र प्रारंभ होगा। आरडीयू प्रवेश समिति संयोजक प्रो. शैलेष चौबे ने बताया कि यूनिवर्सिटी के विधि, फार्मेसी सहित अन्य विभाग जिनमें प्रवेश पंजीयन, निर्धारित सीटों से कई गुना अधिक प्राप्त हुए हैं।

एमपी ऑनलाइन के माध्यम से अपना पंजीयन करा सकते

उनकी ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया को बंद कर शेष विभाग जहां सीटें रिक्त हैं उनमें ऑनलाईन प्रवेश पोर्टल आगामी संशोधित तिथि 20 सितम्बर 2021 तक ओपन रहेंगे। इसमें विद्यार्थी अपनी पसंद के पाठ्यक्रम में आरडीवीवी एमपी ऑनलाईन के माध्यम से अपना पंजीयन करा सकते हैं। ऑनलाईन बैठक में परीक्षा नियंत्रक प्रो. एन.जी. पेण्डसे, संकायाध्यक्ष प्रो. रामशंकर, प्रो. धीरेन्द्र पाठक, प्रो. राकेश बाजपेयी, प्रो. सुरेन्द्र सिंह, प्रो. अलका नायक, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. विवके मिश्र, प्रो. एसएन बागची, डॉ. विशाल बत्रे, डॉ. जे.के. मैत्रा सहित यूनिवर्सिटी कम्प्यूटर केन्द्र प्रभारी डॉ. ए.के. गुप्ता, ऑनलाईन नोडल अधिकारी डॉ. आर.के. गुप्ता सहित अन्य मौजूद रहे।

न्यायालय के आदेश के बाद भी नहीं मिला अधिकार

सिहोरा। जल उपभोक्ता संथा की निर्वाचन प्रक्रिया मे निर्वाचित अध्यक्ष सदस्यों को न्यायालय के आदेश के बावजूद अपने अधिकार प्राप्त करने दर-दर भटकना पड़ रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश शासन द्वारा जल उपभोक्ता संस्था को भंग किए जाने के निर्णय के विरोध में निर्वाचित अध्यक्ष एवं सदस्यों ने न्यायालय की शरण लेते हुए रिट पिटिशन दायर की थी।

न्यायालय द्वारा रिट पिटिशन को स्वीकार करते हुए शासन के 9 फरवरी 21 के नोटिफिकेशन को रद्द करने का आदेश पारित किया था, इसके बावजूद भी विभाग द्वारा संस्थाओं को बहाल नहीं किया गया है।

बैंक खाते हो रहे एकल संचालित

जल उपभोक्ता संथा आलासूर के अध्यक्ष सुरेंद्र पटेल एवं भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष एड. रमेश पटेल ने आरोप लगाया है कि विभाग द्वारा नहरो के रखरखाव की राशि की बंदरबांट करने बैंक खाता को शासन के पूर्व की नोटिफिकेशन के आधार पर एकल संचालित कर राशि का आहरण किया जा रहा है, जो की असंवैधानिक है। साथ ही मांग की गई है कि न्यायालय के आदेशानुसार समस्त जल उपभोक्ता संस्था को बहाल किया जाए।

अवैध शराब के अड्डे पर पुलिस की दबिश

जबलपुर। पनागर थाना क्षेत्रातंर्गत जलगांव नहर के पास कच्ची जहरीली शराब तैयार कर रहे अड्डे पर पुलिस ने दबिश देकर एक आरोपी को दबोचा है। वहीं एक अन्य आरोपी पुलिस को चकमा देकर भागने में कामयाब हो गया। पुलिस ने मौके से 60 लीटर कच्ची महुआ शराब जप्त करते हुए तीन ड्रमों में भरा रखा 6 सौ लीटर लाहन को मौके पर ही नष्ट किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि जलगांव नहर के पास कुछ लोग कच्ची शराब तैयार कर रहे है। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर मौके पर दबिश देकर आरोपी नंदू भूमिया को पकड़ा, वहीं उसका साथी मुन्नीलाल यादव भागने में कामयाब हो गया। पुलिस ने मौके से चार डिब्बों में भरकर रखी हुई 60 लीटर कच्ची शराब जप्त की, वहीं तीन ड्रमों में रखा हुआ 6 सौ लीटर लाहन को मौके पर ही नष्ट कर दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

बज्म-ए-मुसालमा व कवि संगोष्ठी का आयोजन

भोपाल । शहीदाने कर्बला की याद में डॉ.जाकिर हुसैन वार्ड में समाजसेवी आजाद अंसारी द्वारा आजाद बाग गोहलपुर में बज्म मुसालमा एवं कवि संगोष्ठी का आयोजन किया गया। बाबा मेराज अहमद जमाली, रियाज आलम मोहम्मदी, सरदार हकीम बाबा, बाबा रहीम उल्ला, खादिम बाबा जमाली, गुड्डू बाबा की कयादत में बज्म का आयोजन हुआ। बज्म में मुख्य अतिथि विधायक विनय सक्सेना, नगर कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष मतीन अंसारी, फिरोज कमाल, रमजान खान मार्बल, सरफराज अंसारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। इस दौरान वार्ड के बुजुर्गों का सम्मान किया गया। बज्म में फरोग अदब व खादिमाने उर्दू अदब जबलपुर के महबूब आलम, एहसान अख्तर, शकील बाबू, सिराज अगाजी, मंजूर अहमद, मुस्तफा अदना, शानू खान, तमजिद अंसारी, ताज, फय्याज सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीयजन मौजूद रहे।

चोरी गए ट्रैक्टर-ट्रॉली को पन्ना पुलिस ने बारह घंटे के अंदर किया बरामद, आरोपी गिरफ्तार

पन्ना। कोतवाली थाना अंतर्गत ट्रैक्टर चोरी का मामला सामने आया था। जिस पर पुलिस ने 12 घंटे के अंदर ट्रैक्टर सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में बताया गया कि फरियादी ने थाना कोतवाली पन्ना रिपोर्ट किया कि दिनांक 31.08.21 को रात 8 बजे रोज की तरह राम स्वरूप टाटा की चक्की के सामने सड़क के उस पार ट्रैक्टर खड़ा करके ड्राईवर घर चला गया था। रोज उसी जगह ट्रैक्टर खड़ा कर देते थे। एक सितंबर को सुबह सात बजे टैक्टर लेने जब ड्राईवर गया तो वहा

टैक्टर और ट्राली दोनों नही थे। आस पास पूछताछ की गई, किंतु टैक्टर नही मिला। कोई अज्ञात चोर मेरा लाल रंग का महिन्द्रा ट्रैक्टर जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर एमपी 35 एए 8226 है एव लाल रंग की ट्राली कुल कीमती 07 लाख रूपये का चोरी कर ले गया है, रिपोर्ट पर थाना कोतवाली पन्ना मे चोरी का अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया। थाना प्रभारी कोतवाली निरी. अरूण सोनी के द्वारा घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियो को दी गई, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पन्ना धर्मराज मीना द्वारा चोरी गए ट्रेक्टर की बरामदगी व आरोपी की गिरफ्तारी हेतु पन्ना जिले के समस्त थाना मे चैकिंग लगाकर नाकाबन्दी के आदेश दिए गए। मुखबिर द्वारा निरीक्षक अरुण कुमार सोनी को सूचना प्राप्त हुई की उक्त ट्रेक्टर व ट्राली आरोपी के द्वारा उ.प्र. तरफ ले जाते हुए देखा गया है। थाना प्रभारी कोतवाली मुखबिर की सूचना को आधार मानते हुए बिना देर किए थाना प्रभारी ब्रजपुर उपनिरी. बखत सिहं को जानकारी देते हुए ट्रेक्टर ट्राली रोकने व आरोपी को गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया। थाना प्रभारी बृजपुर उनि बखत सिह एवं चौकी प्रभारी पहाडीखेरा को अवगत कराते हुये हमराह बल को लेकर घेरांबदी कर पहाडीखेरा कंलिजर मार्ग पर ट्रैक्टर को रोका गया जो आरोपी धर्मेंद्र राजपूत उम्र 25 वर्ष निवासी ककरहटा ट्रैक्टर ट्राली को छोडकर भागने लगा जिसे हमराही स्टाप की मदद से पकडकर पूछतांछ की गई व आरोपी के कब्जे से चोरी गया ट्रैक्टर व ट्राली बरामद कर जप्त की जाकर आरोपी को गिरफ्तार कर कर न्यायालय पेश किया गया है। आरोपी आदतन अपराधी है जिसके विरूद्ध थाना कोतवाली, गुनौर, देवेन्द्रनगर, जिला पन्ना व थाना कोठी जिला सतना मे चोरी के कई प्रकरण दर्ज है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक अरुण कुमार सोनी, थाना प्रभारी बृजपुर उपनिरी. बखत सिंह, चौकी प्रभारी पहाडीखेरा उनि. आर.जी.द्विवेदी, उपनिरी. राहुल यादव, सउनि रामकृष्ण पाण्डेय, सउनि चन्द्रशेखर बागरी, विक्रम सिह, प्र.आर शिवस्वरूप तिवारी, अरुण अहिरवार, लक्ष्मीनारायण आरक्षक रविकरण राजपूत, राजीव मिश्रा, ब्रम्हदत्त शुक्ला, रविप्रकाश खरे थाना ब्रजपुर से रियाज खान, आरक्षक पदम सिंह एव सायबर सेल के प्र.आरक्षक नीरज रैकवार, राहुल सिह, आरक्षक अशीष अवस्थी, धर्मेन्द्र सिह, राहुल पाण्डेय का सराहनीय योगदान रहा है।

शिक्षक दिवस पर पदनाम की सौगात दे सरकार, पदनाम-पदोन्नति के बिना सेवानिवृत्त हो रहे शिक्षक

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि 5 सितम्बर शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में सरकार द्वारा शिक्षकों को पदनाम-पदोन्नति का तोहफा दिया जाना चाहिए, क्योंकि वर्तमान सरकार द्वारा पहले भी शिक्षकों को पदनाम-पदोन्नति देने की घोषणा की जा चुकी है, लेकिन शिक्षा विभाग के आलाधिकारियों की हीला हवाली के चलते आज तक आदेश जारी नहीं हो सके, बल्कि घोषणाएं सिर्फघोंषणा बन कर रह गयी। अब शिक्षकों को किसी प्रकार की घोषणा नहीं बल्कि पदनाम-पदोन्नति के आदेश चाहिए। क्योंकि यह शिक्षकों का उनकी योग्यता और वेतनमान को देखते हुए अधिकार है कि उन्हे पदनाम-पदोन्नति दी जाए। समिति के रॉबर्ट मार्टिन, मीनूकांत शर्मा, जियाउर्रहीम, स्टेनली नॉबर्ट, दिनेश गौंड़, शहीर मुमताज, एनोज़ विक्टर, कैलाश शर्मा, अरूण जैन, आशाराम झारिया, अजय मिश्रा, गोपीशाह, शरीफअंसारी, विनोद सिंह, प्रकाश मिश्रा, गिरीश कांत मिश्रा, गुडविन चार्ल्स, रामकुमार कतिया, एस.बी.रजक, निलेश खरे, अनूप डाहट, अशोक परस्ते, अनूप सिंह मरकाम, राजेश सहारिया, चैतन्य कुशरे, धर्मेनद्र गुप्ता, अनूप सिन्हा, त्रिलोक सिह, समर सिंह ठाकुर, विश्वनाथ सिंह, डेलन सिंह, आकाश भील, विशाल सिह ठाकुर, नितिन तिवारी, कमलेश दुबे, आदेश विश्वकर्मा, ईमरत सेन, भागीरथ सेन, राशिद अली, मुकेश प्रधान आदि ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में शिक्षकों को पदनाम-पदोन्नति का तोहफा दिया जाए।

पंचायत द्वारा निर्मित टंकियों से जलापूर्ति होगी बंद

जबलपुर। नगर निगम के कार्यपालन यंत्री कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि लाला लाजपत राय वार्ड में अमृत योजना के अंतर्गत शंकर टोरिया में उच्च स्तरीय पानी की टंकी का निर्माण पूर्ण किया जाकर जलापूर्ति प्रारंभ की जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि उक्त क्षेत्र पंचायत द्वारा निर्मित गॉधी चौक, शंकर टोरिया एवं कुंडा जलाशय उच्च स्तरीय टंकियों के माध्यम से जलापूर्ति की जाती है। उक्त क्षेत्र में अमृत योजना के अंतर्गत नवीन उच्च स्तरीय टंकी के माध्यम से जलापूर्ति प्रारंभ हो चुकी है। नगर निगम प्रशासक बी चन्द्रशेखर, निगमायुक्त संदीप जी आर के द्वारा अमृत योजनांतर्गत नवीन टंकी से जलापूर्ति हेतु शिफ्टिंग कराने हेतु नागरिकों से अपील की है। उन्होंने बताया कि पंचायत द्वारा निर्मित तीनों टंकियों को बंद किया जा रहा है, नागरिक अपने कनेक्शन नवीन टंकी की पाइप में शिफ्ट करा लें ताकि पेयजल आपूर्ति में किसी प्रकार व्यवधान उत्पन्न न हो। यदि नागरिक अपने नल कनेक्शन शिफ्ट नहीं कराते हैं तो होने वाली किसी भी परेशानी के लिये नगर निगम जिम्मेदार नहीं होगा।

कभी सेवानिवृत्त नहीं होता शिक्षक : विधायक

पाटन। शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता, वह किसी ना किसी रूप में जीवन पर्यंत समाज का प्रबोधन करता रहता है और यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वश्रेष्ठ है। यह विचार पाटन क्षेत्र के विधायक पूर्व मंत्री अजय विश्नोई ने शासकीय प्राथमिक शाला खैरी के सहायक शिक्षक घनश्याम प्रसाद बबेले के सेवानिवृत्ति पर आयोजित सम्मान कार्यक्रम में व्यक्त किये।

कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में पूर्व विधायक पंडित भगवत प्रसाद गुरु एवं विशिष्ट अतिथि संकुल प्राचार्य श्रीमती कल्पना श्रीवास, विकास खंड शिक्षा अधिकारी ए.पी शुक्ला सहित विभिन्न संगठनों से ठाकुर रणधीर सिंह, के.एल. नाकड़ा, शिव कुमार दीक्षित, योगेंद्र दुबे, आत्मानंद दुबे, पूर्णानन्द दुबे, सुरेंद्र सिंह ठाकुर, राम विनय करसोलिया, मुरली मनोहर पचौरी, कृष्णा प्रसाद बेहुरे, आचार्य जगेन्द्र सिंह, कृष्ण शेखर सिंह, बालचंद्र जैन, देवेंद्र यादव, राजशेखर त्रिपाठी, शिव कुमार बाजपेई, पियूष बबेले सहित संकुल क्षेत्र की शालाओं के शिक्षक-शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही।

कलेक्टर ने किया अस्पताल का किया निरीक्षण

सिवनी (एजेंसी)। कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर से निपटने की तैयारियों को लेकर कलेक्टर डॉ राहुल फटिंग द्वारा जिला चिकित्सालय का निरीक्षण करने के साथ ही संबंधित अधिकारियों की बैठक ली गई। उन्होंने प्रगतिरत आईसीयू वार्ड, पीएसए ऑक्सीजन प्लांट सहित जेएनएम नर्सिंग ट्रेनिंग सेंटर का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत पार्थ जैसवाल, सीएमएचओ डॉ राजेश श्रीवास्तव, सिविल सर्जन डॉ विनोद नावकर सहित संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति रही।कलेक्टर ने आईसीयू वार्ड के कार्यों की गुणवत्ता का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला चिकित्सालय में उपलब्ध संसाधनों, दवाईयाँ, सुरक्षा चिकित्सकीय उपकरणों तथा ऑक्सीजन की उपलब्धता के संबंध में जानकारी प्राप्त कर आवश्यकतानुसार नवीन आवश्यक उपकरण क्रय करने का प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंनें अधिकारियों को सतत रूप से अधिक से अधिक संदिग्ध व्यक्तियों के नमूने ले कर जाँच कराने के आदेश दिए।

कलेक्टर ने किया जिला पुनर्वास केन्द्र का निरीक्षण

जिला चिकित्सालय परिसर स्थित जिला पुनर्वास केन्द्र का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने कार्यालयीन व्यवस्थाओं के साथ दिव्यांगजनों के पुनर्वास हेतु की जा रही विभागीय गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत पार्थ जैसवाल एवं उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग की उपस्थिति रही।

स्नेह मिलन सम्मान समारोह कार्यक्रम में सम्मलित हुए जनप्रतिनिधिगण

सिवनी (एजेंसी)। अग्रवाल समाज के स्नेह मिलन सम्मान समारोह कार्यक्रम मे सिवनी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक दिनेश राय सम्मलित हुए । महाराष्ट्र राज्य के गोंदिया विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय नवनिर्वाचित विधायक विनोद अग्रवाल के पैत्रिक गांव छपारा मे प्रथम आगमन पर पर पुराना टोल- टैक्स छपारा खुर्द छपारा मे आयोजित स्नेह मिलन सम्मान समारोह कार्यक्रम मे दिनेश राय सम्मलित हुए। इस दौरान विधायक के आगमन पर कार्यक्रम कर्ताओं द्वारा पुष्प मालाओं से स्वागत किया गया। कार्यक्रम मे राकेश पाल विधायक, आलोक दुबे जिलाध्यक्ष भाजपा, रजनीश सिंह पूर्व विधायक, श्रीमती नीता पटेरिया पूर्व विधायक एवं रमेश जैन पूर्व विधायक की गरिमापूर्ण उपस्थिति रही।इसके पूर्व 11:30 बजे सिवनी विधायक ने दलसागर तालाब के टापू मे राजा दलपत शाह की प्रतिमा स्थापित किये जाने के लिए प्रारंभ किये जा रहे कार्य का मुख्य नगर पालिका अधिकारी नवनीत पांडे सहायक यंत्री संतोष तिवारी, राजस्व निरीक्षक गजेन्द्र पांडे व अन्य कर्मचारियों के साथ निरीक्षण कर कार्य मे गति लाने के निर्देश दिया। इसके पश्चात विधायक ने अपने कार्यालय मे विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम बखारी व ग्राम सालीवाड़ा टोला से आये ग्रामीणों की समस्याओं को सुना तथा संबंधित अधिकारियों से तत्काल चर्चा कर शीघ्र निदान किये जाने की बात कही। इसके साथ ही विधायक द्वारा अपनी समस्या लेकर पहुंचे ग्राम गहरुटोला झीलपिपरिया निवासी दिव्यांग मनिल नरेती को 5 हजार की राशि स्वीकृत की गयी।

पिकअप अनियंत्रित होकर पलटी, दो घायल

डायल-100 सेवा ने कराया जिला चिकित्सालय में भर्ती

सिवनी (एजेंसी)। थाना डूंड़ा सिवनी क्षेत्र अंतर्गत बाईपास रोड पर पिकअप पलट जाने से 2 व्यक्ति घायल हो गए है। घटना की सूचना कॉलर ने 2 सितंबर को डायल 100 को कॉल कर राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम भोपाल में दी । सूचना प्राप्ति पर तत्काल सिवनी जिले की डायल-100 वाहन क्र.03 को घटना का विवरण देकर मदद के लिए रवाना किया गया । डायल-100 एफ.आर.व्ही. मे तैनात आरक्षक दीपेश रघुवंशी और पायलेट अखिलेश साहू द्वारा घटना स्थल पर पहुँचकर बताया कि नगझर रोड पर पिकअप अनियंत्रित होकर पलट जाने से 2 घायल व्यक्तियों को डायल-100 स्टाफ ने तत्काल एफ.आर.व्ही. वाहन से ले जाकर जिला चिकित्सालय सिवनी मे भर्ती कराया। जहाँ घायलों का उपचार किया जा रहा है। घटना की जाँच स्थानीय पुलिस द्वारा की जा रही है।

जिले में 836731 लोगों ने लगवाया कोविड का टीका

710410 लोगों को प्रथम डोज और 126321 को द्वितीय डोज लगी

सिवनी (एजेंसी)।

जिले में 1 सितंबर से सप्ताह के सातों दिन कोविड-19 टीकाकरण होगा इसमें रविवार, मंगलवार एवं शुक्रवार भी शामिल है। यह कोविड-19 टीकाकरण जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल सामुदायिक चिकित्सा केंद्र एवं प्राथमिक चिकित्सा केंद्र पर किया जाएगा। शासन से यह भी निर्देश जारी हुए हैं कि ऐसी नॉन कोविड-19 टीकाकरण टीम जिसकी ड्यूटी कोविड-19 टीकाकरण में नहीं लगाई गई है वह मंगलवार और शुक्रवार को बच्चों के नियमित टीकाकरण का कार्य करेंगे।

836731 लाभार्थियों का लगाया टीका

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ लोकेश चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में 1083547 लोगो को कोविड-19 टीके से टीकाकृत किया जाना है। जिसमें अभी तक जिले में प्रथम 710410 तथा द्वितीय 126321 डोज इस प्रकार कुल 836731 लाभार्थियों को कोविड-19 का टीका लगाया जा चुका है।

वहीं जिले में अभी तक 5567 गर्भवती महिलाओं को कोविड-19 के टीके लगाए जा चुके हैं। जिसके अंतर्गत गोपालगंज में 902 डोज, कुरई 635, बरघाट 757, केवलारी 609, धनोरा 321, घंसौर 723, लखनादौन 714, छपारा 621 तथा सिवनी शहरी क्षेत्र में 285 डोज का टीकाकरण किया जा चुका है।

जिले में कोविड-19 टीकाकरण महाअभियान 21 जून 2021 से 31 अगस्त 2021 तक 621166 लाभार्थियों को कोविड-19 के टीके लगाए जा चुके हैं लक्ष्य 639950 का था उपलब्धि 97: रही। महाअभियान के अंतर्गत प्रथम 528786 एवं द्वितीय 92380 डोज का टीकाकरण किया गया तथा यह निरंतर जारी है।

टीकाकरण किया गया

यदि हम विकासखंड वार स्थिति देखे तो महाअभियान के अंतर्गत गोपालगंज में 91503, कुरई 71382, बरघाट 78778, केवलारी 74210, धनोरा 42405, घंसौर 53042, लखनादौन 81827, छपारा 59316 तथा सिवनी शहरी क्षेत्र में 68706 लोगो का टीकाकरण किया गया। दिनांक 16 जनवरी 2021 से 31 अगस्त 2021 तक जिले में कोविड.19 टीकाकरण विकासखंड वार स्थिति गोपालगंज 125208, कुरई 87516, बरघाट 98674, धनोरा 53660, घंसौर 70466, लखनादौन 108816, छपारा 75639, सिवनी शहरी क्षेत्र 116569, केवलारी 108183 डोज। इस प्रकार जिले में अभी तक 710410 लोगो को प्रथम डोज एवं 126321 लोगो को द्वितीय डोज का टीकाकरण किया जा चुका है।

संक्षिप्त समाचार

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा आज करेंगे तीन जिलों में कानून-व्यवस्था की समीक्षा

भोपाल । गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा शुक्रवार, 3 सितंबर को खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर में कानून-व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। डॉ. मिश्रा गुरुवार दो सितंबर को रात्रि 10.30 बजे सचखंड एक्सप्रेस से बुरहानपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। डॉ. मिश्रा तीनों जिलों में कानून-व्यवस्था की समीक्षा करने के बाद शुक्रवार रात्रि 9.15 बजे खंडवा से डबरा (ग्वालियर) के लिए प्रस्थान करेंगे। डॉ. मिश्रा शुक्रवार सुबह 9.00 बजे सर्किट हाउस बुरहानपुर में पुलिस अधिकारियों के साथ कानून-व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। वे सुबह 10 बजे बुरहानपुर से खंडवा के लिए रवाना होंगे और 11.30 बजे खंडवा में कानून-व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। गृह मंत्री दोपहर 12.30 बजे खंडवा से खरगोन के लिये प्रस्थान कर दोपहर 2.30 बजे सर्किट हाउस में जनता से भेंट करेंगे। अपरान्ह 4.00 बजे पुलिस कंट्रोल-रूम खरगोन में कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक होगी। डॉ. मिश्रा शाम 5.00 बजे खरगोन से खंडवा के लिये प्रस्थान कर शाम सात बजे पहुंचेंगे। वे रात्रि 9.15 बजे सचखंड एक्सप्रेस से डबरा (ग्वालियर) के लिए रवाना होंगे।

छिंदवाड़ा जिले के बोहनाखेरी फर्जी मृत्यु प्रमाण-पत्र मामले की जांच करेगी एसआईटी

भोपाल । किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल के निर्देश पर बोहनाखेरी (छिंदवाड़ा) फर्जी मृत्यु प्रमाण-पत्र की जांच के लिए 13 सदस्यीय स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का गठन कर दिया गया है। छिंदवाड़ा के पुलिस अधीक्षक विवेक अग्रवाल ने एसडीओपी प्रीतम सिंह के नेतृत्व में एसआईटी गठित की है।

अमन शुक्ला भाजपा आईटी और अभिषेक शर्मा बने सोशल मीडिया विभाग के संयोजक

भोपाल । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने पार्टी के आईटी विभाग एवं सोशल मीडिया विभाग के संयोजक एवं सह संयोजकों के नाम की घोषणा गुरुवार को कर दी। आईटी विभाग के संयोजक के लिए अमन शुक्ला एवं सह संयोजक के लिए गौरव विश्वकर्मा के नाम की घोषणा की गई है, वहीं सोशल मीडिया विभाग के संयोजक के लिए अभिषेक शर्मा को चुना गया है। इस विभाग के सह संयोजकों की घोषणा बाद में की जाएगी।

प्रदेश में जल जीवन मिशन में 2521 करोड़ से अधिक की योजनाएं स्वीकृत

भोपाल । मध्यप्रदेश में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्रामीण जल प्रदाय योजनाओं के लिए 2521 करोड़ 23 लाख 44 हजार रुपए की स्वीकृति दी गई है। जो प्रदेश की ग्रामीण आबादी को शुद्ध पेयजल के लिए उपयोग विभाग के मैदानी अमले द्वारा जल जीवन मिशन के मापदंडों के अनुसार प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। मध्यप्रदेश की ग्रामीण आबादी शुद्ध पेयजल के लिए परेशान न हो, इसके लिए जल जीवन मिशन में तेजी से कार्य जारी हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्रामीण जल प्रदाय योजनाओं के लिए 2521 करोड़ 23 लाख 44 हजार रुपए की स्वीकृति दी है। इस राशि से जहां जलस्त्रोत हैं, वहाँ उनका समुचित उपयोग कर आसपास के ग्रामीण रहवासियों को पेयजल प्रदाय किया जाएगा। जिन ग्रामीण क्षेत्रों में जलस्त्रोत नहीं हैं वहां नए जल स्त्रोत निर्मित किए जाएंगे। इसमें प्रदेश के 45 जिलों की जलप्रदाय योजनाएं शामिल हैं। इन जिलों के लिए नवीन योजनाओं के साथ ही विभिन्न ग्रामों में पूर्व से निर्मित पेयजल अधोसंरचनाओं को नए सिरे से तैयार कर रेट्रोफिटिंग के अंतर्गत भी कार्य किया जा रहा है।

शिवराज सिंह, कमलनाथ और नरोत्तम मिश्रा ने पूर्व सांसद चंदन मित्रा के निधन पर जताया शोक

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ. चंदन मित्रा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गुरुवार को ट्वीट के माध्यम से कहा कि वरिष्ठ पत्रकार और मध्यप्रदेश से राज्यसभा सांसद रहे चंदन मित्रा के निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। पत्रकारिता और राजनीति के माध्यम से राष्ट्र एवं जनसेवा करने वाले श्री मित्रा अपने उत्कृष्ट कार्यों एवं पुनीत विचारों के माध्यम से सदैव हम सबके दिलों में रहेंगे। मैं उनके चरणों में अपनी श्रद्धा के सुमन अर्पित करता हूं। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ट्वीट के माध्यम से कहा कि वरिष्ठ पत्रकार और पूर्व राज्यसभा सदस्य चंदन मित्रा शुक्ला के दुखद निधन का समाचार प्राप्त हुआ। उनके परिवार के प्रति मेरी शोक संवेदनाएं। प्रदेश के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने भी ट्वीट के माध्यम से कहा कि वरिष्ठ पत्रकार और प्रदेश से राज्यसभा सांसद रहे चंदन मित्रा के निधन की दुखद सूचना मिली है। पत्रकारिता और राजनीतिक जगत में उनका योगदान अतुलनीय है।

शिवराज सिंह ने श्रीकृष्ण सरल को किया नमन

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्रीकृष्ण सरल की पुण्यतिथि पर गुरुवार को अपने निवास के सभागार में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर श्री चौहान ने कहा कि श्रीकृष्ण सरल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कवि एवं लेखक थे। भारतीय क्रांतिकारियों पर उन्होंने अनेक पुस्तकें लिखीं, जिनमें 15 महाकाव्य हैं। सरल जी का संपूर्ण लेखन भारतीय क्रांतिकारियों पर केंदित है। मध्यप्रदेश की साहित्य अकादमी द्वारा प्रति वर्ष श्रीकृष्ण सरल के नाम पर कविता के लिए 'श्रीकृष्ण सरल पुरस्कार' प्रदान किया जाता है।

बिजली संकट पर कमलनाथ ने प्रदेश सरकार से पूछे सवाल

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में बिजली संकट को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने शिवराज सरकार से कुछ सवालों के जवाब मांगे हैं। नाथ नंअपने ट्वीट में कहा है कि मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार प्रदेश में बिजली संकट को लेकर लगातार झूठ परोस रही है, हर जिम्मेदार अलग-अलग कारण बताकर झूठ बोल रहा है, कोई भी प्रदेश में बिजली संकट व बिजली कटौती को लेकर सच्चाई स्वीकारने को तैयार नहीं है। बिजली संकट पर शिवराज सरकार मेरे इन सवालों का दें जवाब।

- मध्य प्रदेश में आज की स्थिति में बिजली की कुल कितनी मांग है और कितनी आपूर्ति की जा रही है।
- प्रदेश के किस-किस अंचल में कुल कितने-कितने घंटों की अघोषित कटौती की जा रही है।
- प्रदेश के थर्मल पावर स्टेशनों में कुल कितना बिजली का उत्पादन वर्तमान में हो रहा है।
- कम उत्पादन के पीछे क्या कारण है और सरकार ने इसको लेकर अभी तक क्या वैकल्पिक इंतजाम किए हैं।
- कोल कंपनियों को कोयले का कुल कितना भुगतान अभी तक बकाया है और वर्तमान में यदि भुगतान किया गया है तो कितना।
- सभी पावर स्टेशनों में वर्तमान में कोयले की कितना उपलब्धता है, यह कोयला कितने दिन चलेगा।
- पावर प्लांटों की वर्तमान में कितनी यूनिट अभी चालू हैं, कितनी बंद पड़ी है और क्यों।
- वर्तमान बिजली संकट को देखते हुए सरकार ने कब और क्या वैकल्पिक इंतजाम किए हैं।
- किन-किन निजी कंपनियो से सरकार का अनुबंध है, इस संकट के समय उनसे कितनी आपूर्ति हुई है।
- वर्तमान संकट को देखते हुए सरकार ने कही और से यदि बिजली ख़रीद कर आपूर्ति की है तो किससे, कितनी व किस दर पर।

बुधनी में शीघ्र लगाया जाएगा फूड प्रोसेसिंग पार्क

सीएम ने 98 करोड़ के निर्माण कार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बुधनी में जल्दी ही फूड प्रोसेसिंग उद्योग लगाया जाएगा। साथ ही बुधनी के लकड़ी के खिलौनों के काम को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान देने के लिए क्लस्टर आधारित मध्यम उद्यम प्रारंभ कराए जाएंगे।

श्री चौहान गुरुवार को सीहोर जिले के बुधनी विकासखंड के शत-प्रतिशत टीकाकृत होने और लगभग 98 करोड़ रुपए से अधिक के विभिन्न निर्माण कार्यों के लोकार्पण और भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बुधनी विकासखंड के सभी नागरिकों को बधाई देते हुए वैक्सीन की दूसरी डोज भी नियत समय पर लगवाने की अपील की। उन्होंने कहा कि वे स्व-सहायता समूहों को मजबूत अधोसंरचना उपलब्ध करवाकर और क्लस्टर आधारित इकाइयों के माध्यम से गांवों को आत्म-निर्भर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का फोकस गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीबों के कल्याण के साथ रोजगार पर भी है। उन्होंने कहा कि सीएम राइज़ स्कूलों से गांव के बच्चे भी उत्कृष्ट शिक्षा हासिल कर सकेंगे। श्री चौहान ने मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकंपा नियुक्ति योजना में चार शासकीय सेवकों के आश्रितों अमित यादव, सुश्री मंजू चौहान, प्रधान सुखिया और सुश्री मंजुरी राय को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना के तीन हितग्राही बच्चों सुश्री प्रमिला, सुश्री भारती और श्री गणेश को अनुग्रह राशि के चेक प्रदान किये। लाड़ली लक्ष्मी योजना की हितग्राही बालिकाओं को भी हितलाभ वितरित किए गए।

अब 50 बिस्तर का होगा बुधनी अस्पताल: जिले के प्रभारी एवं लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने बुधनी के 15 बिस्तर के अस्पताल का 50 बिस्तर में उन्नयन करने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा करीब 15 करोड़ की राशि स्वीकृत किये जाने पर धन्यवाद ज्ञापित किया। सांसद रमाकांत भार्गव ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में विधायक विजयपाल सिंह, जन-प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में बुधनी क्षेत्र के लोग उपस्थित थे।

वैक्सीन का दूसरा डोज अवश्य लगवाएं

मुख्यमंत्री ने शत-प्रतिशत टीकाकरण के लिए बुधनी के नागरिकों सहित शासकीय अमले की सराहना की। उन्होंने नागरिकों को संकल्प दिलवाया कि बारी आने पर वैक्सीन का दूसरा डोज़ अवश्य लगवाएं और कोरोना की संभावित तीसरी लहर रोकने में सहयोगी बनें। उन्होंने टीकाकरण कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले नागरिकों और शासकीय अमले को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कोरोना की पहली और दूसरी लहर की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी को मास्क लगाकर पूरी सावधानी बरतनी होगी।

सलकनपुर देवी धाम पहाड़ी को फूलों की घाटी जैसा विकसित किया जाएगा

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि सलकनपुर देवी धाम पर्वत को फूलों की घाटी जैसा विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री गुरुवार को सलकनपुर में विंध्य पर्वत पर वन विभाग द्वारा तैयार की गई सघन वन योजना की जानकारी ली। इस मौके पर श्री चौहान ने रुद्राक्ष का पौधा लगाया। सीएम को सीसीएफ रविंद्र सक्सेना ने बताया कि इस वर्ष 1509 वृक्ष लगाने की योजना है। अब तक 1200 फूलदार, फलदार पौधे रोपे गए हैं। योजना अनुसार पहाड़ी के दो हिस्सों पर गुलमोहर से दीप और अमलताश से स्वस्तिक की छवि उकेरी जाएगी। सीएम ने दोनों क्षेत्रों का मुआयना भी किया और वन विभाग के प्रयासों की सराहना की और कहा कि उनका सपना है कि देवी धाम पहाड़ी को सुनियोजित रूप से और भी हरा-भरा स्वरूप दिया जाए। साथ ही पर्यटन की गतिविधियां भी बढ़ाएं।

देवी के दर्शन भी किए-मुख्यमंत्री ने सलकनपुर माता के मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की और खुशहाल प्रदेश के लिए प्रार्थना की।

मंत्री सिलावट ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री शेखावत से भेंट कर किया आग्रह

केन-बेतवा प्रोजेक्ट के प्रस्ताव पर जल्द कार्यवाही शुरू करें

प्रदेश को आपदा राहत मद से राशि आवंटन का भी किया अनुरोध

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से गुरुवार को नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर सौजन्य भेंट की। चर्चा के दौरान मंत्री श्री सिलावट ने केंद्रीय मंत्री से केन-बेतवा परियोजना के संबंध में जल्द कार्यवाही शुरू करने और अतिवृष्टि से नहरों को हुए नुकसान के पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक राशि के आवंटन और मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री सिंचाई परियोजना, कमांड क्षेत्र परियोजना, राज्य मोचन निधि से राशि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ने कहा कि केन-बेतवा परियोजना केंद्र सरकार के लिए भी महती परियोजना है। इसे पूरा करने के लिए प्रस्ताव तैयार हो गया है। केबिनेट की मंजूरी के पश्चात कार्यवाही शुरू कर दी जाएगी। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि अति वर्षा के कारण डैम और नेहरों को काफी क्षति हुई है, इसका आकलन कर रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी गई है। मंत्री श्री सिलावट ने राज्य आपदा मोचन निधि से 279 करोड़ की राशि आवंटन की मांग रखी जिससे रबी की फसल में किसानों को पानी उपलब्ध कराया जाना संभव हो सके। उन्होंने बताया कि समय पर कार्य शुरू होने से क्षेत्र के किसानों को फसल बुआई और सिंचाई के लिए भी पानी उपलब्ध करवाया जा सकेगा।

जल संसाधन मंत्री सिलावट ने अपने विभाग से संबंधित प्रस्ताव भी केंद्रीय जल शक्ति मंत्री को दिए, प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त 63 लघु सिंचाई योजनाओं के त्वरित सिंचाई लाभ योजना (ए.आई.बी.पी.) के प्रस्ताव केंद्रीय जल आयोग को भी प्रस्तुत किए गए हैं। इन 63 लघु सिंचाई योजनाओं की कुल लागत 35,960 लाख रुपए है। योजनाओं का कार्य पूर्ण होने पर 18,580 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता निर्मित किए जाने का लक्ष्य है।

पीएम कृषि सिंचाई योजना के क्रियान्वयन के लिए मांगी राशि

मंत्री श्री सिलावट ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना हर खेत को पानी भूजल के क्रियान्वयन हेतु राशि उपलब्ध कराने की मांग भी रखी। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत भू-जल स्त्रोतों से सिंचाई हर खेत को पानी योजना में मध्यप्रदेश के पांच जिले मंडला, डिंडोरी, शहडोल, उमरिया एवं सिंगरौली के लघु एवं सीमांत कृषकों को नलकूप/कूप द्वारा सिंचाई उपलब्ध कराई जानी है। योजना की कुल लागत 1706 करोड़ रुपए है, जिसमें केंद्र एवं राज्य शासन का अंश 60-40 प्रतिशत है। जल शक्ति मंत्री श्री शेखावत ने उक्त सभी प्रस्तावों पर तुरंत कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है।

केंदीय मंत्री तोमर और प्रधान से भी मिले

मंत्री तुलसीराम सिलावट ने नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से भेंट कर प्रदेश में चल रही विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं एवं कमांड एरिया डेव्हलपमेंट और वॉटर मैनेजमेंट कार्यक्रम के तहत सिंचाई परियोजनाओं को लेकर विचार-विमर्श किया। मंत्री श्री सिलावट ने ग्वालियर एवं आसपास के क्षेत्रों में बाढ़ के बाद उत्पन्न स्थितियों की केंद्रीय मंत्री को विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी भी उपस्थित रहे। वहीं मंत्री सिलावट ने केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भी सौजन्य भेंट की।

कांग्रेस ने हाईकोर्ट में ओबीसी आबादी 27 फीसदी होने की गलत जानकारी दी

भोपाल (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग को सरकारी भर्ती, परीक्षाओं में 14 से बढ़ाकर 27 फीसदी आरक्षण का लाभ दिए जाने के मामले में श्रेय लेने पर कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने गुरुवार को पत्रकारों से चर्चा में कहा कि यदि कांग्रेस वास्तव में पिछड़ा वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण देना चाहती थी तो उसने कमलनाथ की सरकार के समय ही यह आरक्षण क्यों नहीं दे दिया था? कांग्रेस ओबीसी आरक्षण के नाम पर केवल राजनीति कर रही थी और यही वजह थी कि कमलनाथ सरकार ने विधानसभा में पेश आरक्षण विधेयक में प्रदेश में ओबीसी आबादी केवल 27 फीसदी बताई थी। कांग्रेस ने यही गलत जानकारी हाईकोर्ट में भी दी, जिस कारण हाईकोर्ट ने शिक्षक भर्ती परीक्षा 2018, पीएससी से स्वास्थ्य विभाग की भर्तियां और पीजी मेडिकल प्रवेश पर 27 फीसदी आरक्षण का लाभ देने पर रोक लगा दी थी।

मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि यदि कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने ओबीसी आबादी 51 फीसदी होने का सच हाईकोर्ट को बताया होता तो आरक्षण पर रोक लगाने की नौबत ही नहीं आती। उन्होंने कहा कि इससे कांग्रेस का ओबीसी विरोधी चेहरा उजागर हो गया है। मंत्री भूपेंद्र सिंह ने ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण देने के निर्णय के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार जताया और पिछड़ा वर्ग को शुभकामनाएं भी दी हैं।

लोनिवि के सचिव को गृह मंत्री ने लगाई फटकार

कहा, अगली बैठक में पूरी तैयारी के साथ आएं

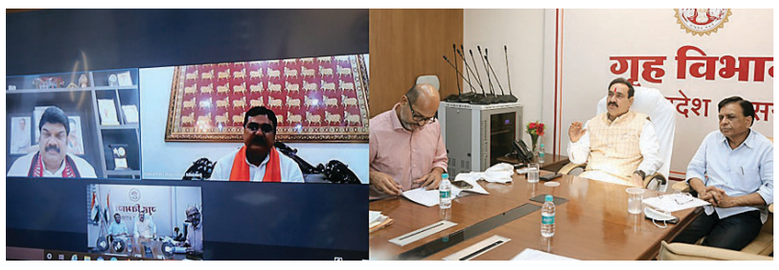

भोपाल (एजेंसी)। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने आज मंत्रालय में एक बैठक के दौरान लोक निर्माण विभाग के सचिव पीसी बारस्कर को कड़ी फटकार लगा दी। बारस्कर बैठक में आधी - अधूरी जानकारी के साथ बैठक में पहुंचे थे। मंत्री के सवालों का वे जवाब नहीं दे सके थे।

मंत्रालय में आज लोक परिसम्पत्तियों के सदुपयोग के लिये मंत्री-समूह की बैठक आयोजित की गई थी। इसमें गृह मंत्री के अलावा वित्त और वाणिज्यिक कर मंत्री जगदीश देवड़ा शामिल हुए, वहीं राजस्व व परिवहन मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत और कृषि मंत्री कमल पटेल वर्चुअली शामिल हुए। बैठक में झांसी स्थित रेस्ट हाउस और नर्मदा खैरी फ ॉर्म्स की परिसम्पत्तियों के सदुपयोग के लिये विस्तार से विचार-विमर्श किया जाना था। बैठक की अध्यक्षता करते हुए गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने लोक निर्माण विभाग के सचिव पीसी बारस्कर से इन दोनों ही परिसंपत्तियों के बारे में सवाल - जवाब किया, तो सचिव बारस्कर सही जानकारी नहीं दे सके और बगले झांकने लगे। उन्होंने मंत्री से तथ्यात्मक जानकारी नहीं होने को लेकर माफी भी मांगी। इस पर गृह मंत्री ने उन्हें सम्पूर्ण तथ्यात्मक जानकारी के साथ अगली बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिये।

नर्मदा-खैरी फॉर्म्स, जिसे गोदावरी शुगर मिल और सोमैया प्रापर्टी एण्ड इन्वेस्टमेंट लैण्ड के नाम से भी जाना जाता है, के संबंध में निर्णय लेने के पूर्व मंत्री-समूह ने सर्व-सम्मति से प्रमुख सचिव राजस्व मनीष रस्तोगी को संबंधितों से चर्चा के लिये अधिकृत किया है। गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने झांसी रेस्ट-हाउस भूमि संबंधी अधिकृत जानकारी मय दस्तावेजों के मंत्री-समूह की आगामी बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश लोक निर्माण विभाग को दिये। मंत्री-समूह ने निर्णय लिया कि दोनों ही प्रकरणों में अगले सप्ताह की बैठक में निर्णय लिया जायेगा। बैठक में अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विनोद कुमार, प्रमुख सचिव विधि गोपाल श्रीवास्तव, संचालक बजट श्रीमती आइरिन सिंथिया सहित संबंधित अधिकारी भी मौजूद थे।

शिवराज सरकार ने अपनी गलती सुधारी : कमलनाथ

ओबीसी आरक्षण पर बोले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण देने प्रदेश सरकार के निर्णय को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार के निर्णय की सफलता के साथ शिवराज सरकार द्वारा अपनी गलती को सुधारना बताया है।

नाथ ने कहा कि हमारे विरोध के बाद सरकार के महाधिवक्ता ने अभिमत देकर स्पष्ट कर दिया कि प्रदेश में हमारी सरकार द्वारा 8 मार्च 2019 को आरक्षण बढ़ाने के लिए गए निर्णय पर कोई रोक नहीं लगी है। अंतरिम आदेश से संबंधित विभागों को छोड़कर परीक्षा और भर्तियों में बढ़े हुए आरक्षण का लाभ दिया जा सकता है। मैंने उसी दिन सरकार से मांग की थी कि इस अभिमत के आधार पर सरकार सच्चाई स्वीकार कर मेरी सरकार के प्रभावशील आदेश को तत्काल लागू करे और पिछड़े वर्ग को बढ़े हुए आरक्षण का लाभ प्रदान करे। कमलनाथ ने कहा कि सरकार ने हमारे विरोध के बाद गुरुवार को सच्चाई स्वीकार कर अपनी गलती सुधारने का काम किया है, इसको लेकर सरकार को इस वर्ग से माफी भी मांगना चाहिए।

अब फिर परमाणु बिजली से भी रोशन होगा मध्यप्रदेश

भोपाल (एजेंसी)। मप्र अब फिर परमाणु बिजली से भी रोशन होगा। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड और भारत सरकार के न्यूक्लियर पावर कार्पोरेशन ऑफ इंडिया एनपीसीआईएल के बीच एक बार फिर 93 मेगावाट बिजली खरीदी के लिए एक पावर परचेस एग्रीमेंट पीपीए काकरापार में किया। मप्र को गुजरात स्थित काकरापार परमाणु विद्युत गृह से उत्पादित होने वाली बिजली में से 93 मेगावाट बिजली 15 वर्षों तक मिलेगी। मप्र को मिलने वाली बिजली की दर 2.289 रुपए प्रति यूनिट तय की गई है।

पावर परचेस एग्रीमेंट पर एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी की ओर से मुख्य महाप्रबंधक प्रमोद चौधरी और काकरापार के स्टेशन डायरेक्टर एबी देशमुख ने हस्ताक्षर किए। पावर मैनेजमेंट कंपनी की ओर से यह एग्रीमेंट बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की 99 वीं बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन में किया गया है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि इस पावर परचेस एग्रीमेंट से मध्यप्रदेश को 15 वर्षों तक सस्ती दर पर 93 मेगावाट बिजली उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रदूषण रहित उपलब्ध होने वाली बिजली से कॉर्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि काकरापार परमाणु विद्युत गृह से पूर्व में किया गया 15 वर्षीय एग्रीमेंट वर्ष 2020 में समाप्त हो गया था, लेकिन काकरापार से उपलब्ध होने वाली बिजली की दर अन्य उपलब्ध होने वाली बिजली की दरों से कम थी, इसलिए इस एग्रीमेंट को फिर15 वर्षों के लिए हस्ताक्षरित किया गया है।

खास बातें

- काकरापार परमाणु बिजली घर से मिलेगी 93 मेगावाट बिजली
- मप्र पावर मैनेजमेंट कंपनी ने फिर किया 15 वर्षों के लिए करार

नेहा भारतीय को ओएसडी प्रशासन अकादमी बनाया

35 संयुक्त और डिप्टी कलेक्टर स्थानांतारित

भोपाल । प्रदेश में तबादलों को दौर सितंबर माह में भी जारी है। दो सितंबर को भी 35 संयुक्त एवं डिप्टी कलेक्टर को स्थानांतारित किया गया है। तबादला आदेश पर दो सितंबर 2021 तारीख दर्ज है। जारी आदेश के अनुसार संयक्त कलेक्टर, उज्जैन नेहा भारतीय को ओएसडी प्रशासन अकादमी भोपाल और लोकेंद्र सिंह सरल संचालक, सीएम हेल्पलाइन, उपसंचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को डिप्टी कलेक्टर जिला श्योपुर पदस्थ किया गया है।

अधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
सोहन कनाश	सं कलेक्टर, झाबुआ	सं कलेक्टर, आगर
सुश्री नेहा भारतीय	सं कलेक्टर, उज्जैन	एचओडी, प्रशासन अकादमी
शोभाराम सोलंकी	सं कलेक्टर, देवास	सं कलेक्टर, शाजापुर
शैलेंद्र सिंह	सं कलेक्टर, रीवा	यथावत
सुश्री नेहा शिवहरे	सं कलेक्टर, खरगौर	सं कलेक्टर, धार
श्रीमती साधना परस्ते	सं कलेक्टर, सतना	सं कलेक्टर, कटनी
अरविंद कुमार चौहान	सं कलेक्टर, देवास	सं कलेक्टर, खंडवा
संजीव कुमार जैन	सं कलेक्टर, मुरैना	आयुक्त, ननि मुरैना
सुश्री जानकी यादव	भू-अ.अ. बड़वानी	सं कलेक्टर, आलीराजपुर
दिनेश चंद्र शुक्ला	ए. सीईओ, आ. मिशन	सं कलेक्टर, शिवपुरी
सुरेश कुमार गुप्ता	डिप्टी कलेक्टर, पन्ना	डिप्टी कलेक्टर, सीधी
आदित्य कुमार शर्मा	सं कलेक्टर, सागर	सं कलेक्टर, रायसेन
प्रशांत त्रिपाठी	डिप्टी कलेक्टर, सतना	डिप्टी कलेक्टर, सीधी
नीरज खरे	डिप्टी कलेक्टर, उमरिया	डिप्टी कलेक्टर, सतना
शिवलाल शाक्य	डिप्टी कलेक्टर, नीमच	डिप्टी कलेक्टर, मुरैना
कुशल सिंह गौतम	डिप्टी कलेक्टर, निवाड़ी	डिप्टी कलेक्टर, पन्ना
ममता खेड़े	डिप्टी कलेक्टर, खंडवा	डिप्टी कलेक्टर, नीमच
अशोक सिंह चौहान	डिप्टी कलेक्टर, दतिया	डिप्टी कलेक्टर, ग्वालियर
सुधीर कुमार बैक	डिप्टी कलेक्टर, सीधी	डिप्टी कलेक्टर, सतना
अनुराग तिवारी	डिप्टी कलेक्टर, जबलपुर	डिप्टी कलेक्टर, रीवा
मेघा शर्मा	डिप्टी कलेक्टर,छिंदवाड़ा	उपायुक्त,भू-अभिलेख भोपाल
कुमार शानू देवाड़िया	डिप्टी कलेक्टर, विदिशा	डिप्टी कलेक्टर, खंडवा
आशीष कुमार पांडेय	डिप्टी कलेक्टर, जबलपुर	डिप्टी कलेक्टर, कटनी
लोकेंद्र सिंह सरल	संचालक, सीएम हेल्पलाइन	डिप्टी कलेक्टर,श्योपुर
राकेश परमार	डप्टी कलेक्टर, अलीराजपुर	डिप्टी कलेक्टर, छतपरपुर
पवन बारिया	डिप्टी कलेक्टर, सागर	डिप्टी कलेक्टर, नीमच
अनुभा जैन	डिप्टी कलेक्टर, खंडवा	डिप्टी कलेक्टर, विदिशा
कामिनी ठाकुर	डिप्टी कलेक्टर,रतलाम	डिप्टी कलेक्टर, बालाघाट
प्रियंका मिमरोट	डिप्टी कलेक्टर, रायसेन	डिप्टी कलेक्टर, देवास
दिव्या पटेल	डिप्टी कलेक्टर,धार	डिप्टी कलेक्टर, खरगौन
प्रियंका वर्मा	डिप्टी कलेक्टर, शाजापुर	डिप्टी कलेक्टर, मंडला
रोहित बम्होरे	डिप्टी कलेक्टर, बालाघाट	डिप्टी कलेक्टर, पन्ना
निशा बांगरे	डिप्टी कलेक्टर, बैतूल	डिप्टी कलेक्टर, भोपाल
अभिषेक सिंह	डिप्टी कलेक्टर, सीधी	डिप्टी कलेक्टर, देवास
राहुल नायक	डिप्टी कलेक्टर, रीवा	डिप्टी कलेक्टर, बालाघाट

बिग बॉस-13 के विनर सिद्धार्थ शुक्ला का हार्ट अटैक से निधन; रात 3 बजे मां से पानी मांगा था, कहा था- बेचैनी हो रही है

मुंबई, एजेंसी। बिग बॉस-13 के विनर सिद्धार्थ शुक्ला का गुरुवार को हार्ट अटैक निधन हो गया। वे 40 साल के ही थे। उनके शरीर पर किसी तरह की चोट के निशान नहीं मिले हैं, लेकिन उनका पोस्टमॉर्टम कराया गया है और इसकी वीडियोग्राफी भी हुई। सिद्धार्थ के निधन की खबर से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री स्तब्ध है। उन्हें बिग बॉस विनर का खिताब देने वाले सलमान खान ने कहा कि सिद्धार्थ बहुत जल्दी चला गया।

सिद्धार्थ के परिवार ने मौत को लेकर किसी तरह की आशंका जाहिर नहीं की है। सिद्धार्थ को मां रीता के साथ बुधवार शाम टहलते हुए देखा गया था। सिद्धार्थ ने बुधवार रात सोने से पहले कुछ दवाएं ली थीं। रात करीब 3 बजे उन्हें बेचैनी हुई और उन्होंने मां रीता से पानी मांगा। उन्हें बताया कि ठीक नहीं लग रहा है। इसके बाद सिद्धार्थ सोने चले गए। सुबह जब मां ने जगाने की कोशिश की तो वे नहीं जागे। मां ने बेटी प्रीति को फोन किया, जो अपने पति के साथ आईं और इसके बाद सिद्धार्थ को कूपर अस्पताल ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बिग बॉस में साथ रहे एक्टर्स ने कहा- भरोसा नहीं हो रहा

बिग बॉस सीजन-13 में उनके साथ पार्टिसिपेंट रहे एक्टर बिंदू दारा सिंह ने कहा, 'इस खबर पर भरोसा नहीं हो रहा है। वो बहुत फिट थे और खूबसूरत थे। वे बहुत बढ़िया इंसान थे। जो आदमी इतना फिट हो, वो भी सुरक्षित नहीं है तो कुछ नहीं कहा जा सकता है। उनका जाना हम सब लोगों के लिए बहुत बड़ा नुकसान है।'

अबू मलिक ने कहा, 'मैंने उनसे 2 दिन पहले ही बात की थी, वह मेरे लिए एक वीडियो शूट करने वाले थे। उन्होंने मुझसे कहा था कि वह ऐसा करेंगे, लेकिन मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि वह अब हमारे बीच नहीं हैं। मैं वास्तव में सदमे में हूं।' देवोलीना भट्टाचार्जी ने कहा, 'यह सच है कि सिद्धार्थ हमें छोड़कर चले गए हैं और मैं अब पहले जैसी नहीं रहूंगी। यह चौंकाने वाली खबर है, अब बोलने के लिए शब्द नहीं बचे हैं।'

शेफाली जरीवाला ने कहा, 'कुछ दिनों पहले हम मिले थे और वो बिलकुल फिट थे। काफी खुश नजर आ रहे थे। हमने घंटों बातचीत की थी। वे अपने काम को लेकर बहुत खुश थे। इससे ज्यादा अब कुछ नहीं बोला जा सकता है मुझसे। उसके निधन की खबर सुनकर हैरान हूं और अब भी यकीन करना मुश्किल है सिद्धार्थ हमें छोड़कर चले गए हैं।'

मॉडिलिंग से करियर शुरू किया, टीवी सीरियल्स किए और रियलटी शो विनर बने

सिद्धार्थ का जन्म मुंबई में 1980 में हुआ था। उन्होंने मॉडल के तौर पर अपना करियर शुरू किया था। 2005 में उन्होंने वर्ल्ड बेस्ट मॉडल का खिताब भी जीता था। बाद में वो टेलीविजन सीरियल्स में नजर आने लगे। सिद्धार्थ 'ब्रोकेन बट ब्यूटीफुल-3', 'बालिका वधु' और 'दिल से दिल तक' जैसे सीरियल्स से मशहूर हुए। उन्होंने फियर फैक्टर सीजन 7 भी जीता था। सिद्धार्थ सावधान इंडिया और इंडिया गॉट टैलेंट जैसे शो भी होस्ट कर चुके हैं।

बालिका वधु के 3 अहम किरदार नहीं रहे

बालिका वधु के तीन किरदार पूरे हिंदुस्तान में फेमस थे। आनंदी, शिव और दादीसा, ये तीनों ही अब इस दुनिया में नहीं हैं। आनंदी का किरदार निभाया था प्रत्यूषा बनर्जी ने और 2010 से वो इस शो से जुड़ीं। वो बड़ी आनंदी का किरदार निभा रही थीं। 1 अप्रैल 2016 को प्रत्यूषा की बॉडी उनके मुंबई स्थित अपार्टमेंट में फंदे से लटकी मिली थी। दादी सा का किरदार निभाया था, दिग्गज एक्टर सुरेखा सीकरी ने। उनका इसी साल 16 जुलाई को निधन हो गया। उन्हें भी हार्ट अटैक आया था। इससे पहले उन्हें दो बार ब्रेन स्ट्रोक आ चुका था। शिव का किरदार निभाया था सिद्धार्थ शुक्ला ने, जिनकी आज हार्ट अटैक से जान चली गई।

फैन ने जाहिर की थी चिंता, एक्टर के ट्वीट ने भी सवाल उठाए

सिद्धार्थ ने 23 जुलाई को एक ट्वीट किया था। इससे अटकलें लगाई जा रही थीं कि इंडस्ट्री में कोई उनके खिलाफ है। सिद्धार्थ ने लिखा था कि नाम ऐसा करो कि लोग तुम्हें हराने की कोशिश नहीं साजिश करें। इसके बाद 10 अगस्त को एक फैन ने सिद्धार्थ की सेहत को लेकर चिंता जाहिर की थी। उसने लिखा था कि सिद्धार्थ फिट नहीं दिख रहे हैं। फैन को सिद्धार्थ ने रिप्लाई भी दिया था। उन्होंने कहा था कि मैं दवाएं ले रहा हूं, इसके साइड इफेक्ट के चलते मेरा वजन बढ़ गया है।

शिल्पा शिंदे से रिश्ता विवादों में रहा, अभी शहनाज के साथ चर्चा में आया था नाम

'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी के किरदार से पॉपुलर हुईं और 'बिग बॉस 11' की विजेता रहीं शिल्पा शिंदे ने दो साल पहले सिद्धार्थ शुक्ला को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए थे। उन्होंने कहा था कि वे सिद्धार्थ के साथ 2011 से रिलेशनशिप में थीं। एक ऑडियो क्लिप भी वायरल हुई थी, जिसमें सिद्धार्थ शिल्पा से पूछ रहे हैं कि वे उनके साथ रिश्ते में आगे भी बढ़ना चाहती हैं या फिर इससे बाहर जाना चाहती हैं। इसके बाद शिल्पा ने बताया था कि ये बातचीत काफी मार-पीट के बाद ब्वॉयफ्रेंड (सिद्धार्थ शुक्ला) और गर्लफ्रेंड (शिल्पा शिंदे) के बीच की बातचीत है। इसने मुझे चलती गाड़ी से भी फेंका है। हमेशा मारता था।

अभी सिद्धार्थ का नाम बिगबॉस-13 में उनके साथ रहीं शहनाज गिल के साथ जुड़ रहा था। शो में दोनों के बीच अफेयर की अफवाहें शुरू हुईं। शोखत्म होने के बाद भी शहनाज ने हमेशा खुलकर इस बात का जिक्र किया कि उन्हें सिद्धार्थ पसंद हैं। हालांकि सिद्धार्थ ने कभी माना नहीं कि वे शहनाज के साथ रिलेशनशिप में हैं, लेकिन इससे इनकार भी नहीं किया। हाल ही में दोनों बिगबॉस OTT में संडे का वार के एक एपिसोड में भी शामिल हुए थे।

कैटरीना का बर्थडे केक डिलीवरी बॉय ने नहीं खाया, इसपर कैटरीना ने कंपनी से की गुजारिश

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ फैंस के दिलों पर राज करती हैं।देश में ही नहीं विदेशों में भी उनके चाहने वालों की कमी नहीं है।लेकिन, इस बीच उनका ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसमें एक एक शख्स को कैटरीना की बात को टालते दिखाई दे रहा है। वीडियो को देखकर लगता है, कैटरीना कितनी ही बड़ी स्टार क्यों ना हों, इससे फूड डिलीवरी बॉय को कोई फर्क नहीं पड़ता।

दरअसल, यह एक फूड डिलीवरी एप का विज्ञापन है।इसमें फूड डिलीवरी बॉय कैटरीना कैफ के घर केक लेकर पहुंचता है। कैटरीना डिलीवरी बॉय को देखकर कहती हैं कि ह्यमेरे बर्थडे पर सिर्फ तुम टाइम पर आते हो।मैं तुम्हे केक खिलाए बिना नहीं जाने दूंगी। कैटरीना केक लेने अंदर जाती हैं। लेकिन, तभी डिलीवरी बॉय को अगले ऑर्डर का मैसेज आ जाता है।इसकारण डिलीवरी बॉय केक खाए बिना ही निकल जाता है।कटरीना बाहर आकर देखती हैं तो डिलीवरी बॉय जा चुका होता है। वीडियो शेयर करते हुए कैटरीना कैफ ने कैप्शन में लिखा, डिलेवरी कंपनी कृपया उसे मेरे अगले ऑर्डर पर भी भेजें? इस बार केक संभाल कर रखूंगी।वीडियो पर यूजर मजेदार-मजेदार कमेंट कर रहे हैं।सोशल मीडिया पर यूजर इस वीडियो को खूब पसंद कर रहे हैं।

अभिनेता कार्तिक आर्यन ने 'गुलाबी' रंग को 'नेशनल मास्क कलर' बनाने की चलाई मुहिम

-भूमि पेडनेकर सहित कई स्टारर्स ने किया समर्थन

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड के युवा अभिनेता कार्तिक आर्यन सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और उनका कैप्शन गेम हमेशा ऑन प्वाइंट होता है। हाल में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अपनी एक सेल्फी शेयर की है, जो ब्लर है। इस सेल्फी के साथ उन्होंने एक सोशल मैसेज भी दिया है। इस ब्लर तस्वीर में देखा जा सकता है कि वह सफेद हुडी पहने हुए हैं और उन्होंने गुलाबी रंग का मास्क लगाया हुआ है।

कार्तिक आर्यन ने अपने प्रशंसक और फॉलोअर्स को कोरोना वायरस महामारी के इस दौर में मास्क के महत्व को समझाया है। उन्होंने एक इंटरेस्टिंग अपील भी की है। कार्तिक का कहना है कि वह गुलाबी रंग को मास्क का राष्ट्रीय रंग बनाना चाहते हैं। कार्तिक की इस अपील का अभिनेत्री भूमि पेडनेकर समेत कई स्टार और उनके फैंस ने समर्थन किया है। दरअसल, कार्तिक आर्यन ने गुलाबी मास्क पहने हुए अपनी सेल्फी शेयर करते हुए लिखा, 'गुलाबी रंग को हमारा राष्ट्रीय मास्क कलर बनाएं।' उन्होंने अपने कैप्शन में दिल वाले इमोजी भी शामिल किए हैं। वही, भूमि पेडनेकर ने कार्तिक की इस पोस्ट पर 'हां, प्लीज' कमेंट किया और उनकी इस सोच के लिए उनकी सराहना की।

आरजे और अदाकारा अर्चना पानिया शर्मा ने भी आंखों में प्यार भरे इमोजी कमेंट किए हैं। एक्ट्रेस ईशा अग्रवाल ने भी कार्तिक के सपोर्ट में कमेंट किया है। वहीं, एक यूजर ने लिखा, 'हमें इस तरह के और आदमी की जरूरत है।' कार्तिक की इस पोस्ट को नेटिजन्स से बहुत प्यार मिला। लोगों ने गुलाबी रंग को बढ़ावा देने और लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ने के लिए उनकी सराहना की। बात करें वर्कफ्रंट की, तो कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अपकमिंग थ्रिलर फिल्म 'फ्रेडी' की शूटिंग कर रहे हैं। वह 'भूल भुलैया 2' की शूटिंग भी कर रहे हैं। इसके अलावा, उनके पास राम माधवानी की 'धमाका', समीर विद्वान की 'सत्यनारायण की कथा' और हंसल मेहता की 'कैप्टन इंडिया' में भी अपन अदाकारी का जलवा बिखेरेंगे।

मोटिवेशनल स्पीकर में बनायें कैरियर

देश भर में अवसाद के बढ़ते मामलों को देखते हुए मोटिवेशनल स्पीकर के क्षेत्र में भी आप कैरियर बना सकते हैं। आजकल 22 से 25 साल के उम्र के लोग भी अवसाद के शिकार हो जाते है। जिस तरह अवसाद तेजी से बढ़ रहा है, उसी के साथ मोटिवेशनल स्पीकर की मांग भी बाजार में बढ़ती जा रही है। अगर आप अपनी बातों से लोगों को प्रेरित कर सकते हैं तो आप आपमें मोटिवेशनल स्पीकर बनने की क्षमता है।

मोटिवेशनल स्पीकर्स कुछ भी शुरू करने से पहले लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। इसके बाद ही वे उन्हें प्रेरित करने की शुरूआत करते हैं।

इसके लिए आपको अच्छे-खासे होमवर्क की जरूरत पड़ती है। प्रेरित करते हुए महान लोगों की बातों के उदाहरण के साथ प्रस्तुतीकरण से कही हुई बात को समझाना पड़ता है। ये एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें आप लोगों से बात करके अच्छी कमाई कर सकते हैं। यह एक संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण करियर है।

इस क्षेत्र में आपकी सफलता या असफलता उन दर्शकों पर निर्भर करती है, जिसे आप प्रेरित कर रहे हैं। यदि आप लोगों में बातों से जोश भर देते हैं तो यकीन मानें आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता।

इस क्षेत्र के लिए विषय का विस्तृत ज्ञान होना बहुत जरूरी है। इसके लिए फिलॉस्फी से

लेकर लिटरेचर तक हर तरह की किताबें पढ़नी चाहिए। ताजा मामलों से भी अपने को अपडेट रखना चाहिए।

कोर्सेज

कुछ प्रबंधन स्कूलों में स्पीकिंग पावर पर काम करवाया जाता है। इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि आप मोटिवेशनल स्पीकर बनने के लिए मैनेजमेंट कोर्स ही करें। इस करियर की जरूरत को ध्यान में रखते हुए मजबूत इच्छाशक्ति और सकारात्मक सोच बनाएं रखें।

कमाई

मोटिवेशनल स्पीकर की आमदनी कम से कम 40-50 हजार से शुरू होकर लाखों में होती है। यदि किसी स्पीकर की कोई किताब नाम कमा लेती है अथवा वह अपने दम पर कोई बड़ा काम कर जाता है तो इसकी मांग और बढ़ जाती है।

अवसर

आजकल बहुत सी कंपनियां, एजेंसियां, एनजीओ, मैनेजमेंट सहित अन्य दूसरे स्कूल-कॉलेज मोटिवेशनल स्पीकर को नियुक्त करने लगे हैं। इसके अलावा कुछ खास कार्यक्रमों में भी मोटिवेशनल स्पीकर्स को आंमत्रित किया जाता है।

प्रमुख संस्थान

फोर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट

बी-18, कुतुब इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली

टाई हॉवर्ड मोटिवेशनल स्पीकर ट्रेनिंग स्कूल

दोस्त के साथ ब्लैक मोनोकनी पहने पूल पार्टी में चिल करती दिखाई दी गोपी बहू

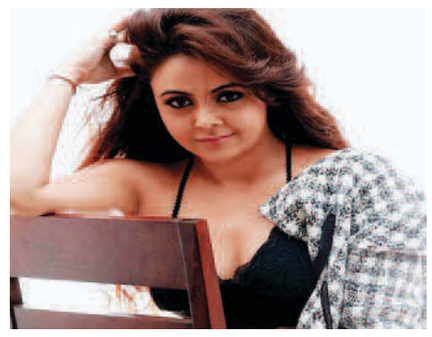

मुंबई, एजेंसी। देवोलीना भट्टाचार्जी ने 'साथ निभाना साथिया' सीरियल में गोपी बहू का किरदार निभाकर दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली थी। वहीं बिग बॉस के बाद अभिनेत्री के मॉडन लुक ने फैंस को दीवाना बना दिया था। वहीं अब देवोलीना के पूल फोटो देख फैंस भी हैरान हैं। दोवोलीना का ये ग्लैमरस अंदाज देख सेलेब्स भी उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पा रहे है। हाल ही में दोवोलीना ने अपनी फ्रेंड्स के साथ पूल पार्टी करते हुए कुछ तस्वीरें शेयर की हैं।ब्लैक मोनोकनी पहने दोवोलीना ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है।अभिनेत्री ने तीन तस्वीरें शेयर की हैं।तीनों तस्वीरों में उनका पोज एक दम डिफरेंट दिख रहा है।तस्वीरों पर फैंस के रिएक्शन देखने लायक है। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा- 'गोपी बहू को क्या हो गया है? वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, डिफरेंट लुक।

साक्षात्कार में भ्रामक जवाब न दें

सिविल सेवाओं की परीक्षाओं में साक्षात्कार बेहद कठिन माना जाता है और इसकी तैयारी करते समय पूरी तरह गंभीर होना जरुरी है। साक्षात्कार द्वारा प्रतियोगी की आवेदित पद हेतु क्षमता का सही-सही आकलन किया जाता है। यह आकलन संबंधित विषयों के विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है, इसलिए प्रत्याशियों से अपेक्षा की जाती है कि वे सतही ज्ञान के बल पर भ्रामक उत्तर न दें। बेहतर तो यही होगा कि राज्य सेवा के अंतर्गत उपलब्ध पदों के लिए आवेदन करते समय ही उन पदों की प्रकृति तथा आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त कर उसकी पूर्ति हेतु सभी संभावित क्षेत्रों का ज्ञान अर्जित करें।

अकसर देखा गया है कि साक्षात्कार के दौरान प्रत्याशी से पहला सवाल यही किया जाता है कि उसने सिविल सेवा का क्षेत्र ही क्यों चुना या आवेदित पद के लिए ही वह क्यों आवेदन कर रहा है।

प्रत्याशियों के पास इसका सौद्देश्यपूर्ण जवाब होना चाहिए। महज देशसेवा, समाजसेवा जैसे उत्तर पर्याप्त नहीं होते हैं। जब तक प्रत्याशियों को इस बात का ज्ञान न हो कि साक्षात्कार में किस तरह के प्रश्न पूछे जाएँगे या क्या किया जाएगा तब तक वे इसकी पूर्णरूपेण तैयारी भी नहीं कर पाएँगे। आमतौर पर सिविल सेवा परीक्षा का साक्षात्कार विश्वविद्यालयीन प्रायोगिक परीक्षाओं की मौखिक परीक्षाओं (वाइवा) जैसा नहीं होता है और न ही अन्य नौकरियों के लिए लिए जाने वाले साक्षात्कार की तरह प्रत्याशियों की खिंचाई वाला होता है।

इसके बोर्ड में बैठने वाले सभी सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों के विशेषज्ञ होने के साथ ही साक्षात्कार लेने के प्रति अत्यंत गंभीर होते हैं। वे प्रत्याशियों को परेशान कर उलझाने के स्वाभाविक तरीके से बातचीत के लहजे में साक्षात्कार लेते हैं। उनका उद्देश्य प्रत्याशियों की प्रतिक्रया, व्यवहार, आत्मविश्वास, दृढ़ निश्चयता, सकारात्मकता, नकारात्मकता, अभिरुचि, निर्णय लेने की क्षमता, उसकी पृष्ठभूमि आदि का आकलन होता है। वे टालमटोल कर भ्रामक जवाब के बजाय ईमानदारीपूर्वक प्रत्याशियों द्वारा प्रश्न के उत्तर न जानने के जवाब को ज्यादा तरजीह देते हैं, क्योंकि उन्हें भी पता होता है कि कोई भी व्यक्ति सर्वज्ञाता नहीं होता है।

साक्षात्कार के दौरान उत्तर देते समय आत्मविश्वास तथा निश्चित दृष्टिकोण सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है। यदि प्रश्न का विश्लेषण कर तर्कपूर्ण जवाब दिए जाएँ तो साक्षात्कार लेने वाला निश्चित ही प्रभावित होता है। हाँ, इसके लिए ज्यादा ज्ञान बघारने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि आपके ज्ञान के प्रमाण स्वरूप मुख्य परीक्षा के प्राप्तांकों की सूची उनके पास पहले ही उपलब्ध होती है। साक्षात्कार में बड़बोलेपन की बजाय मितभाषी प्रत्याशी के चयन की संभावना ज्यादा होती है, क्योंकि वह साक्षात्कार हेतु निर्धारित 15-20 मिनट में साक्षात्कार लेने वालों के ज्यादा से ज्यादा प्रश्नों के जवाब देकर उन्हें संतुष्ट कर सकता है।

साक्षात्कार के समय केवल विषयगत ज्ञान की जानकारी नहीं ली जाती। अपने प्रदेश, उसके राजनीतिक, सामाजिक, भौगोलिक स्थिति की जानकारी ज्यादा से ज्यादा होनी चाहिए तथा समसामयिक विषयों की जानकारी के साथ-साथ समस्याओं के समाधान की भी जानकारी यथेष्ठ मानी जाती है। साक्षात्कार के लिए बौद्धिक ज्ञान जितना आवश्यक है, उतना ही व्यावहारिक ज्ञान भी जरूरी है, क्योंकि सिविल सेवा से जुड़े सभी पद लोकहित तथा जनसंपर्क के अंतर्गत आते हैं।

लिहाजा इन पदों के प्रत्याशियों से यह अपेक्षा की जाती है कि उनका दृष्टिकोण लोकहित तथा कल्याणकारी भावनाओं के अनुरूप हो। बुद्धिमत्ता, व्यवहार के अलावा प्रत्याशी के हावभाव, वेशभूषा तथा प्रतिक्रिया का भी साक्षात्कार में आकलन किया जाता है। आकर्षक व्यक्तित्व तथा सौम्य व्यवहार साक्षात्कार में सफलता की कुंजी माने जाते हैं।

रणवीर और आलिया अक्टूबर से शुरू करेंगे 'बैजू बावरा' की शूटिंग

मुंबई, एजेंसी। रणवीर सिंह और आलिया भट्ट पिछले कई दिनों से डायरेक्टर संजय लीला भंसाली की फिल्म 'बैजू बावरा' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। अब खबर सामने आ रही है कि रणवीर और आलिया अक्टूबर से 'बैजू बावरा' की शूटिंग शुरू करने की प्लानिंग कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, इस फिल्म के लिए भी गोरेगांव में एक विशाल सेट बनाया जा रहा है। रणवीर और आलिया इन दिनों करन जौहर की 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' की शूटिंग कर रहे हैं। दोनों इस फिल्म के साथ-साथ ही 'बैजू बावरा' की शूटिंग शुरू भी कर सकते हैं। भंसाली की 'बैजू बावरा' की कहानी और फिल्म को लेकर अभी तक ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुआ है।

लेकिन, रणवीर और आलिया इस फिल्म में लीड रोल के लिए फाइनल किए जा चुके हैं।

पेंटिंग के क्षेत्र में भी हैं अवसर

अगर आप पेंटिंग का शौक रखते हैं और आप को रंगों से खेलना अच्छा लगता है तो आप एक पेंटिंग को अपना पेश बना सकते हैं। अगर आप में कलात्मकता है तो आप इस क्षेत्र में बेहतरीन कॅरियर बना सकते हैं। आज एक पेंटर आर्ट गैलरीज से लेकर अखबर , मैगजीन, पोस्टर, फिल्म व टीवी इंडस्टी में काम कर सकता है। इसके अलावा अगर आप चाहें तो फ्रीलांस वर्क भी कर सकते हैं या फिर किसी फाइन आर्ट इंस्टीटयूट व कॉलेज में बच्चों को पढ़ा भी सकते हैं। अगर चाहें तो खुद का ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट भी खोल सकते हैं।

बचपन में हम सभी ने अपने हाथों में ब्रश उठाकर पेंटिंग की है। पेंटिंग करना यकीनन हर किसी के मन को सुकून देता है, लेकिन जैसे-जैसे हम बड़े होते चले जाते हैं, वह शौक कहीं पीछे छूटने लगता है। काम की आपाधापी में ब्रश हाथों से कब दूर चला जाता है, पता ही नहीं चलता। लेकिन अगर आपको पेंटिंग करना बेहद पसंद है तो क्यों न अपने इसी शौक को आप अपना कॅरियर बना लें। तो चलिए जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में-

क्या होता है काम

एक पेंटर कई तरह के काम करता है। उसका काम घर से लेकर बाहर तक हो सकता है। वह सिर्फ छोटे स्केल पर कागज पर पेंटिंग नहीं करता और न की उसका काम सिर्फ कैनवास तक सीमित है, बल्कि वह घर को नया रुप देने के साथ ही किसी या अन्य बड़े प्रोजेक्ट्स पर भी अपना कलात्मकता दिखा समा है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में सफलता के लिए सबसे जरूरी है आपका कल्पनाशील होना। इसके अलावा आपको पेंट कलर्स, टोन्स, हाइलाइट व आर्ट के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। आपको कलर्स के शेड्स व उनकी मिक्सिंग की जानकारी भी होनी चाहिए। कई बार एक पेंटर को कई बड़े प्रोजेक्ट करने होते हैं, इसलिए उसे टीम के साथ भी काम करना होता है। साथ ही आपको कई घंटों तक काम करना पड़ सकता है, इसके लिए आप फिजिकली व मेंटली तैयार रहें। एक पेंटर सिर्फ पेंटिंग ही नहीं करता, बल्कि अपने काम को लोगों के सामने पेश भी करता है, इसलिए आपके कम्युनिकेशन व लैंग्वेज स्किल भी अच्छी होनी जरूरी है।

एक पेंटर बनने के लिए अलग से किसी स्पेशल क्वालिफिकेशन की जरूरत नहीं होती। लेकिन पेंटिंग की बारीकियों को समझने और अपना हाथ साफ करने के लिए आप इस क्षेत्र में डिप्लोमा या डिग्री कोर्स जैसे बीए इन पेंटिंग, बीए पेंटिंग, स्कल्पचर, अप्लाइड आर्टस, बीएफए पेंटिंग, कोर्स आदि कर सकते हैं। इसके अलावा ग्रेजुएशन के बाद इस क्षेत्र में पोस्ट ग्रेजुएशन भी किया जा सकता है।

संभावनाएं

पेंटिंग एक बेहतरीन कॅरियर है और एक पेंटर आर्ट गैलरीज से लेकर न्यूजपेपर, मैगजीन, पोस्टर, फिल्म व टीवी इंडस्टी में आर्टवर्क की तलाश कर सकता है। इसके अलावा अगर आप चाहें तो फ्रीलांस वर्क भी कर सकते हैं या फिर किसी फाइन आर्ट इंस्टीटयूट व कॉलेज में बच्चों को पढ़ा भी सकते हैं। अगर चाहें तो खुद का कोचिंग इंस्टीट्यूट खोलें।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी इस बात पर निर्भर करती है कि आपका काम लोगों को कितना पसंद आता है, लेकिन फिर भी शुरूआती दौर में आप बीस से पच्चीस हजार आसानी से कमा सकते हैं। वहीं कुछ सालों के अनुभव व आपके काम की लोकप्रियता के आधार पर आपकी आमदनी कई गुना बढ़ भी सकती है।

फिट इंडिया क्विज में देश में खेल संस्कृति के निर्माण को गति मिलेगी: खेल मंत्री अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तथा केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने नई दिल्ली में फिट इंडिया क्विज का शुभारंभ किया, जो फिटनेस और खेल पर आधारित पहली क्विज प्रतियोगिता है। युवा मामले और खेल राज्य मंत्री निसिथ प्रामाणिक भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। टोक्यो ओलंपिक के पदक विजेता नीरज चोपड़ा और पी वी सिंधु ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इस आयोजन में हिस्सा लिया। कुछ स्कूली छात्रों ने भी इस पहल को शुरू करने के लिए, पहले से बिना किसी तैयारी के एक क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया। राष्ट्रीय स्तर की इस क्विज प्रतियोगिता को आयोजित करने का उद्देश्य स्कूली बच्चों के बीच फिटनेस और खेल के बारे में जागरूकता पैदा करना, राष्ट्रीय मंच पर प्रतिस्पर्धा करने का मौका देना तथा अपने स्कूलों के लिए कुल तीनकरोड़ रुपये से अधिक का नकद पुरस्कार जीतने का अवसर देना है। स्वतंत्रता के 75 साल पूरे होने के अवसर पर केंद्र सरकार की 'आजादी का अमृत महोत्सव' पहल के हिस्से के रूप में इस फिट इंडिया क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसका आयोजन सभी राज्यों के छात्रों को न केवल एक मंच पर साथ लाने के लिए किया गया है, बल्कि इसे स्कूली बच्चों के मानसिक कौशल और शारीरिक फिटनेस को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि फिटनेस और शिक्षा के बीच एक मजबूत संबंध है। नई शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 में फिट इंडिया मूवमेंट में परिकल्पित फिटनेस को अपने जीवनपर्यंत हिस्से के रूप में अपनाने के उद्देश्य से खेल-एकीकृत शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया है। प्रधान ने कहा कि कोविड-19 महामारी सामान्य दिनचर्या को बाधित कर रही है और फिट इंडिया मूवमेंट का महत्व कई गुना बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि फिट इंडिया क्विज छात्रों को फिटनेस और खेल के बारे में अपने ज्ञान का प्रदर्शन करने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगा, स्वदेशी खेल, हमारे खेल नायकों सहित भारत के समृद्ध खेल इतिहास के बारे में जागरूकता पैदा करेगा और उन्हें बताएगा कि कैसे पारंपरिक भारतीय जीवन शैली की गतिविधियां सबके लिए 'फिट लाइफ' (तंदुरुस्त जीवन) की कुंजी हैं।

टीम को विजयी बनाना रहा है कोच ओर मेरा लक्ष्य: विराट

आज सभी भारतीय टीम को हराना चाहते हैं

ओवल, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि हमारी टीम आज उस स्तर पर पहुंच गयी है जहां हर टीम उसे हराना चाहती है। विराट ने कहा कि मुख्य कोच रवि शास्त्री के सहायोग से ही वह ऐसी टीम तैयार कर पाये हैं।

कोच को लेकर विराट ने कहा, 'हमारा काम का रिश्ता और मैदान के बाहर भी, आपसी सम्मान और विश्वास पर बना है, हमार लक्ष्य टीम को विजयी बनाना है, भारतीय क्रिकेट को हमें जैसा मिला उससे ऊंची और बेहतर जगह पर ले जाना हैं।'उन्होंने कहा, 'हमेशा यही हमारा लक्ष्य था और मुझे लगता है कि पूरी टीम के शानदार खेल से, हमारे पास जो प्रतिभा थी उसकी बदौलत हम इसे हासिल करने में सफल भी रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'आज हम एक ऐसी टीम के रूप में उभरे हैं जिसे दुनिया भर में हर जगह पर टीमें हराना चाहती है और यह हमारे लिए बेहद सम्मान और गर्व की बात है।'

शास्त्री की किताब 'स्टारगेजिंगः द प्लेयर्स इन माइ लाइफ' का विमोचन करने के दौरान विराट ने ये बातें कहीं। यह शास्त्री की पहली किताब है कोहली ने कहा, 'यह उनकी पहली किताब है और उम्मीद करता हूं कि वह कुछ और भी लिखेंगे क्योंकि उनके पास साझा करने के लिए काफी कुछ है।' वहीं शास्त्री ने कहा कि मौजूदा टेस्ट सीरीज के अंतिम दो मैच बेहद रोमांचक होंगे।

शास्त्री ने कहा, 'जब आपकी और कप्तान की राय समान होती है तो चीजें काफी आसान हो जाती हैं और हमारे अधिकांश खिलाड़ियों की राय समान होती है।' उन्होंने कहा, 'हमारा विचार खेल को आगे बढ़ाना और जीतना है। हम संख्या बढ़ाने यहां नहीं आए हैं, हम यहां सकारात्मक क्रिकेट खेलने और जीतने आए हैं।'

खबर एक नजर

टोक्यो पैरालंपिकः भारत की प्राची ने सेमीफाइनल के लिए किया क्वालीफाई

टोक्यो, एजेंसी। भारत की प्राची यादव ने गुरुवार को यहां टोक्यो पैरालंपिक खेलों की महिला एकल 200 मीटर कैनोइंग स्प्रिंट स्पर्धा में अच्छे प्रदर्शन के साथ ही सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। प्राची ने एक मिनट 11.098 सेकेंड का समय निकालकर सेमीफाइनल के लिए प्रवेश हासिल किया। वह ब्रिटेन की एमा विग्स से 13.014 सेकेंड ही पीछे रहीं। इससे पहले एमा ने 58.084 सेकेंड का समय निकाला था। कैनोइंग स्प्रिंट स्पर्धा के सेमीफाइनल मुकाबले शुक्रवार को खेले जाएंगे।

भारतीय फुटबॉल पर आने वाली है नई किताब 'किक-आफ'

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल पर एक किताब आने वाली है जिसमें कई रोचक जानकारियां दी गयी हैं। इस नई किताब नई किताब 'किक-आफ' में 1950 से 1980 के दशक के बीच के कुछ रोचक तथ्यों को बताया गया है। इस 28 अध्याय की किताब में बताया गया है कि कैसे एक समय महाद्वीपीय शक्ति होने के बाद भारत इस खेल में काफी पिछड़ गया। इस किताब में उन कई मिथकों को तोड़ा गया है जिसमें यह भी शामिल है कि भारत को 1950 फीफा विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। लेखक ने इसे गलत प्रचार दिया है। इसके अलावा भारतीय फुटबॉल के कई विवादों की भी बातें कही गयी हैं। इसमें यह भी बताया गया है कि क्यों सबसे सफल विदेशी कोच मिलोवन को अनुबंध के बीच में ही देश छोड़कर जाना पड़ा। इसके अलावा भी कई अन्य रोमांचक जानकारियां भी मिलेंगी।

प्रमोद टोक्यो पैरालंपिक के सेमीफाइनल में पहुंचे

टोक्यो, एजेंसी। भारत के प्रमोद भगत गुरूवार को टोक्यो पैरालंपिक में पुरुष एकल एसएल 3 बैडमिंटन स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। प्रमोद ने यूक्रेन के ओलेक्सांद्र चिरकोव को 21-12, 21-9 से हराया। भगत ने यह मुकाबला केवल 26 मिनटों में ही जीत लिया। भगत ने इससे पहले ग्रुप ए के अपने पहले मुकाबले में अपने ही देश के मनोज सरकार को 21-10, 21-23, 21-9 से हराया था।

प्रो लीग से कबड्डी खिलाड़ियों को भी मिलने लगी है मोटी रकम

नई दिल्ली, एजेंसी। पेशेवर (प्रो) लीग मुकाबले शुरू होने से अब क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों के खिलाड़ी भी करोड़पति बनने लगे हैं। यहां तक कि कबड्डी प्रो लीग में हुई नीलामी में भी खिलाड़ियों को अच्छी खासी रकम मिली है। भारतीय टीम के कबड्डी खिलाड़ी प्रदीप नरवाल को पिछले दिनों नीलामी में यूपी योद्धा ने 1.65 करोड़ रुपए में खरीदा था। इसी के साथ नरवाल कबड्डी लीग के इतिहास में सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे। इससे पता चलता है कि देश में लगातार कबड्डी की लोकप्रियता बढ़ी है। अब कबड्डी खेल को नए प्रायोजक मिलने लगे हैं। एक अन्य खिलाड़ी को भी नीलामी में एक करोड़ रुपए से अधिक मिले हैं। तकरीबन 20 खिलाड़ियों को 50 लाख रुपए तक मिले हैं। लीग शुरू होने से पहले कबड्डी खिलाड़ियों को अधिक रकम नहीं मिल रही थी पर अब हालात बदल गये हैं। इससे बेहतर खिलाड़ी भी सामने आने लगे हैं।

पुर्तगाल में यूईएफए क्वालीपफाइंग मैच में क्रिस्टीयानों रोनाल्डो गोल करने के बाद उत्साहित नजर आये।

रोनाल्डो के रिकार्ड गोल से पुर्तगाल ने आयरलैंड को 2-1 से हराया

विश्व कप क्वालीफाइंग फुटबॉल

फारो, एजेंसी। स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के शानदार प्रदर्शन से पुर्तगाल ने विश्व कप क्वालीफाइंग फुटबॉल मुकाबले के ग्रुप ए में यहां आयरलैंड को 2-1 से हरा दिया। रोनाल्डो ने इस मैच में दो गोल के साथ ही पुरुष अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इस मुकाबले में आयरलैंड की ओर से 45वें मिनट में जॉन इगान ने एक गोल कर उसे बढ़त दिलाई। वहीं रोनाल्डो ने मैच के 89वें मिनट में गोल करने के साथ ही पुर्तगाल को बराबरी पर ला दिया। यह रोनाल्डो

के करियर का 110वां गोल था। इसी के साथ ही रोनाल्डो ने ईरान के पूर्व स्ट्राइकर अली देई के पुरुष अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे अधिक गोल दागने के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। रोनाल्डो ने इसके बाद इंजरी टाइम में 180वें मैच में एक और गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाने के साथ ही अपना 111वां गोल किया। रोनाल्डो ने मैच के बाद कहा, मैं बहुत खुश हूं, केवल इसलिए नहीं कि मैंने रिकॉर्ड तोड़ा है बल्कि इसलिए कि हमें कुछ विशेष क्षण मिले हैं। मैच के अंतिम क्षणों में दो गोल करना कठिन होता है पर मुश्किल होता है पर टीम ने जो किया मुझे उसकी सराहना करनी होगी। हमने अंत तक अपना भरोसा बनाये रखा।' रोनाल्डो के लिए मुकाबले की शुरूआत अच्छी नहीं रही थी और आयरलैंड के गोलकीपर गेविन बजुनु ने 15वें मिनट में उनकी पेनल्टी किक को रोक दिया। इस जीत के साथ ही पुर्तगाल की टीम चार मैचों में 10 अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गयी है।

अफगानिस्तान की पुरुष क्रिकेट टीम को भारत से खेलने की मंजूरी मिली: शिनवारी

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद तालिबन ने पहला बड़ा फैसला लेते हुए पुरुष क्रिकेट को भारत के साथ क्रिकेट खेलने की अनुमति दे दी है पर महिला क्रिकेट को लेकर अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। गत वर्ष अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 25 महिला खिलाड़ियों को केन्द्रीय अनुबंध भी दिया था। वहीं कई महिला खिलाड़ियों ने तालिबान के आने के बाद से ही देश छोड़ दिया है। अफगानिस्तान की टीम अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप में भी खेलेगी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के मुख्य कार्यकारी हामिद शिनवारी ने कहा हम अगले साल टेस्ट सीरीज खेलने भारत जा सकते हैं। उन्होंने कहा, ह्यटी20 विश्व कप से पहले हम एक त्रिकोणीय सीरीज की योजना बना रहे हैं। इसमें वेस्टइंडीज और श्रीलंका की टीमें भी उतर सकती हैं। इसका आयोजन यूएई में किया जाएगा।'

तालिबान ने टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नवंबर में होने वाले टेस्ट मैच के लिए भी सहमति दे दी है। वहीं शिनवारी ने कहा कि महिला क्रिकेट को लेकर नई सरकार फैसला लेगी।

मोइन ने जडेजा को अद्भुत क्रिकेटर बताया

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के स्पिनर मोइन खान ने भारतीय टीम के ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें मैं हमेशा ही अपनी टीम में रखना पसंद करता। मोईन ने साथ ही अनुभवी स्पिनर आर अश्विन को पहले तीन टेस्ट मैचों के लिए भारतीय दल में शामिल नहीं किये जाने पर भी हैरानी जतायी है। साथ ही कहा कि अगर भारत की ही तरह उनकी टीम की रणनीति भी एक स्पिनर के साथ उतरने की रहती तो वे भी जडेजा जैसे खिलाड़ी को ही शामिल करते। जडेजा को उनकी बल्लेबाजी के कारण अश्विन पर वरीयता दी गयी है। मोइन के अनुसार जडेजा अद्भुत क्रिकेटर है और दुनिया में मेरे सबसे पसंदीदा क्रिकेटरों में से एक है। मैं जडेजा को हमेशा अपनी टीम में रखता। मुझे लगता है कि लॉर्ड्स में जीतने के बाद भारत ने चार तेज गेंदबाजों को लेकर उतरने की रणनीति अपनाई और जडेजा ने शानदार प्रदर्शन किया। मुझे भरोस है कि आगे भी वे खेलते रहेंगे। मोईन ने कहा कि उम्मीद है कि ओवल में भी पिच से स्पिन को मदद मिलेगी। यह बल्लेबाजी के लिये अच्छी विकेट है और आखिरी चरण में स्पिनरों की मददगार होगी। लॉर्ड्स टेस्ट के जरिए दो साल बाद टेस्ट टीम में लौटे मोईन को नहीं लगता कि उनकी जगह टीम में पक्की हुई है लेकिन उन्होंने कहा कि उपकप्तानी मिलने से वह सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

युवा फुटबॉलर फाती को मिली मेसी की जर्सी

बार्सिलोना, एजेंसी। 18 साल के युवा फुटबॉलर अंसु फाती अब स्टार खिलाड़ी लियोनन मेसी की जर्सी, पहनेंगे। मेसी 17 साल के बाद बार्सिलोना से फ्रांसीसी क्लब पेरिस सेंट जर्मन (पीएसजी) चले गये हैं पर उनकी जर्सी को क्लब ने रिटायर नहीं किया और उसे उभारते हुए सितारे फाती को दिया है। रेकॉर्ड छह बार बैलोन डी' ओर अवॉर्ड जीतने वाले मेसी ने अपने पीछे एक विरासत छोड़ी है। उनकी 10 नंबर की जर्सी भी इसी का ही एक हिस्सा है। मेसी के पीएसजी जाने के बाद लग रहा था कि बार्सिलोना इस नंबर की जर्सी को हमेशा-हमेशा के लिए रिटायर कर देगा पर ऐसा नहीं हुआ। मेसी की जर्सी पहनना उभरते हुए खिलाड़ी फाती के लिए किसी सम्मान से कम नहीं है। फाती ने ला लीगा 2020-21 सत्र के सात मैच में चार गोल किए थे। यूएफा चैंपियंस लीग के तीन मुकाबलों में इस खिलाड़ी ने एक गोल किया है। फाती को बार्सिलोना का अगला स्टार खिलाड़ी माना गया है। पिछले सत्र के ज्यादातर मुकाबलों में वह घुटने की चोट के कारण बाहर रहे थे।

भारतीय महिला टीम के खिलाफ हर मैच में सर्वश्रेष्ठ टीम उतारना संभव नहीं: मैथ्यू

ब्रिसबेन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच मैथ्यू मोट ने कहा है कि उनके लिए भारत के खिलाफ सभी मैचों में अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम उतारना संभव नहीं रहेगा। मैथ्यू के अनुसार इसका कारण व्यस्त कार्यक्रम का होना है। 20 दिन में एक टेस्ट सहित सात अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों को खेला जाना है , इसको देखते हुए खिलाड़ियों को ब्रेक देना जरुरी रहेगा। सिडनी और मेलबर्न में कोविड-19 महामारी के कारण भी परेशानी है। ऐसे में भारतीय टीम के अलावा ऑस्ट्रेलिया की 18 में से 12 खिलाड़ी दो सप्ताह के कड़े पृथकवास से गुजर रही हैं और उन्हें 21 सितंबर को मैकाय में होने वाले पहले महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय से एक हफ्ता पहले की ट्रेनिंग की अनुमति मिलेगी।

वहीं भारतीय टीम को दो हफ्ते के कड़े पृथकवास के दौरान ट्रेनिंग की स्वीकृति नहीं है। मोट ने दो हफ्ते तक कमरे में पृथकवास से गुजर रही टीम की तेज गेंदबाजों एलिस पैरी, अनाबेल सदरलैंड, तायला व्लेमिंक, मेतलान ब्राउन और स्टेला कैंपबेल के बारे में कहा कि हमारे खेल विज्ञान से जुड़े लोगों का नर्वस होना जायज है। यहां उन्हें 14 दिन तक गेंदबाजी की स्वीकृति नहीं मिलेगी और इसके बाद वे बेहद व्यस्त कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगी इसलिए हमें खिलाड़ियों का प्रबंधन सही रखना होगा।

मोट ने स्पष्ट किया कि काम के बोझ के प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए सभी शीर्ष खिलाड़ियों को प्रत्येक मैच में खेलने का मौका नहीं मिलेगा। सभी खिलाड़ी सभी मैचों में नहीं खेल पाएंगी, हमारी टीम में 18 खिलाड़ी हैं और हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी हैं। अनुभवी खिलाड़ी इससे निपटने का तरीका ढूंढ लेंगे क्योंकि उनके पास अनुभव है और उनका शरीर थोड़ा अधिक मजबूत है। लेकिन युवा गेंदबाजों डार्सी ब्राउन, तायला व्लेमिंक, मेतलान ब्राउन को लेकर हमें सतर्क रहना होगा।

आईपीएल में बदले हुए गेंदबाजी एक्शन के साथ उतरेंगे उनादकट

दुबई, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के अनुभवी तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने कहा है कि वह यूएई में टी20 लीग के बचे हुए मैचों में बदले हुए गेंदबाजी एक्शन के साथ उतरेंगे। आईपीएल के 84 मैचों के साथ रॉयल्स के सबसे अनुभवी गेंदबाज उनादकट ने पिछले कुछ समय के दौरान अपनी गेंदबाजी के तकनीकी पहलू पर काम किया है।

उनादकट ने कहा कि मैंने अपनी गेंदबाजी के कुछ तकनीकी पहलुओं पर काम किया। मैं अपने गेंदबाजी एक्शन में कुछ बदलाव करना चाहता था, इसलिए इस पर काम कर रहा था और इसमें काफी समय लगता है इसलिए मैंने अपना समय इन बदलावों को करने और इसकी आदत बनाने का प्रयास किया है। मैं अपनी गेंदबाजी पर कुछ काम करना चाहता था और इस दौरान चाहता था कि लोगों का ध्यान मुझ पर नहीं हो। अगर आप अपने लिए और अपने परिवार के लिए समय निकालते हो और दुनिया आपके बारे में क्या कहती है, वह नहीं सुनते तो यह हमेशा अच्छा होता है।

उनादकट ने कोरोना संक्रमण के कारण मई में आईपीएल के स्थगित हुए पहले चरण में दिल्ली की टीम के खिलाफ 15 रन देकर तीन विकेट लिए थे। इस तेज गेंदबाज ने उम्मीद जताई कि वह इस प्रदर्शन को दोहराने में सफल रहेंगे। उन्होंने कहा कि टीम की और व्यक्तिगत रूप से मेरी शुरूआत भी अच्छी रही थी। वह मैच (दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ) महत्वपूर्ण था, मैं टीम में वापसी कर रहा था इसलिए मुझे अच्छा प्रदर्शन करना था।

सत्र के उस हिस्से में मैंने जैसी गेंदबाजी की उससे मैं काफी खुश था और इस चरण में भी मैं उस प्रदर्शन को बरकरार रखना चाहता हूं लेकिन कुछ सुधार के साथ जिन पर मैंने ब्रेक के दौरान काम किया है।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में टीकाकरण वाले खिलाड़ियों पर रहेंगी कम पाबंदियां

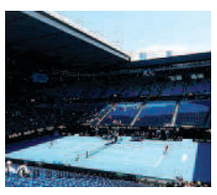

मेलबर्न, एजेंसी। टीकाकरण वाले खिलाड़ियों को जनवरी में होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में कम पाबंदियों का सामना करना पड़ेगा। विक्टोरिया राज्य के खेल मंत्री मार्टिन पेक्युला ने कहा है कि जिन खिलाड़ियों ने कोविड-19 टीकाकरण कराया होगा उन्हें मेलबर्न के आसपास आने-जाने में कम पाबंदियों का सामना करना होगा। पेक्युला ने साथ ही कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि साल 2022 के पहले ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट का सफल आयोजन मेलबर्न पार्क में 17-30 जनवरी तक होगा।

टेनिस आस्ट्रेलिया ने हालांकि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के अलावा दर्शकों के लिए पृथकवास की जरूरतों या टीकाकरण से जुड़े नियमों के बारे में कुछ नहीं कहा है। पेक्युला ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि टीकाकरण करा चुके खिलाड़ियों को मेलबर्न के अधिक आजादी मिलेगी पेक्युला ने कहा कि अभी यह नहीं कहा जा सकता है कि टीकाकरण नहीं होने पर आपको ऑस्ट्रेलिया में प्रवेश की स्वीकृति मिलेगी या नहीं पर इतना तय है कि टीकाकरण नहीं कराने वाले खिलाड़ियों और टीकाकरण करा चुके खिलाड़ियों के लिए नियमों में काफी अंतर रहेगा। इसलिए खिलाड़ियों को टीकाकरण पर ध्यान देना चाहिये।